শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 224 | गुवाहाटी | सोमवार, 17 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत और न्यूजीलैंड के बीच फिर शुरू होगी मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत... पेज 2
असम को म्यांमार, बांग्लादेश के घटनाक्रम पर नजर रखनी चाहिए... पेज 3
सरकारी कार्य में गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा लापरवाही पर होगी... पेज 5
मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 रन से हराकर जीता खिताब पेज 7

आब्सू का 57वां वार्षिक सम्मेलन नई प्रतिबद्धता के साथ संपन्न

बोड़ो समझौते के 82 फीसदी वादे पूरे हुए बाकी अगले दो वर्षों में : केंद्रीय गृहमंत्री

कोकराझाड़ (विभास)। ऑल बोड़ो स्टूडेंट्स यूनियन (आब्सू) का 57वां वार्षिक सम्मेलन आज बोडोफा फवथर, दोतोमा, कोकराझाड़ में चार दिनों की चर्चा, सांस्कृतिक प्रदर्शन और बोड़ो समुदाय को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श के बाद संपन्न हुआ। 13 मार्च को शुरू हुए इस कार्यक्रम में प्रमुख नेताओं, नीति निर्माताओं और समुदाय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिन्होंने शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक-आर्थिक विकास के बारे में बातचीत की। अंतिम दिन की शुरुआत मैराथन दौड़ से हुई, जिसके बाद शांति और एकता को बढ़ावा देने वाली एक सांस्कृतिक रैली हुई, जिसे दुलाराय बोड़ो हरिमु अफाद के महासचिव बिजितगिरी बसुमतारी ने झंडी दिखाकर रवाना किया। दोपहर में आयोजित खुले सत्र की अध्यक्षता आब्सू के अध्यक्ष दीपेन बोड़ो ने की और इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा और बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो सहित कई विशिष्ट अतिथियों ने संबोधन दिया। विधायक और स्वागत समिति के अध्यक्ष लॉरेंस इस्लेरी ने स्वागत -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रिपल इंजन सरकार ने कई वादों को पूरा किया : मुख्यमंत्री

कोकराझाड़ (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि *बोड़ो समझौते* के सभी पहलुओं का सम्मान करते हुए, केंद्र और राज्य सरकारों की *ट्रिपल इंजन सरकार* ने कई वादों को पूरा किया है और क्षेत्र के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म के दर्शन से प्रेरित होकर अपने वादों को लेकर प्रतिबद्ध है। उन्होंने क्षेत्र के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाओं का जिक्र किया, जिनमें कोकराझाड़-गेलफू-गुवाहाटी रेल लाइन, बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्म के समाधि स्थल का विकास और 1 मई को राज्यव्यापी स्मरण दिवस के रूप में चिह्नित करना, बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय का विस्तार, कोकराझाड़ विश्वविद्यालय को पूरी तरह से कार्यात्मक बनाना, उदालगुरी में नया मेडिकल कॉलेज, बोड़ोलैंड में स्नातक-पूर्व स्तर तक बोड़ो भाषा को शिक्षण माध्यम बनाना, 35 हाई स्कूलों को -शेष पृष्ठ दो पर

पॉडकास्ट में पीएम ने बताया संघ से अपना जुड़ाव, कहा-

आरएसएस को समझना आसान नहीं इसके कामकाज को समझना होगा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका के जानेमाने पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन से लंबी बातचीत हुई है। इसमें पीएम मोदी ने लेक्स फ्रीडमैन से अपने बचपन से लेकर सार्वजनिक जीवन की यात्रा समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट में आरएसएस से अपने जुड़ाव के बारे में भी बात की है। इसमें पीएम मोदी ने कहा कि मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मैंने आरएसएस जैसे प्रतिष्ठित संगठन से जीवन का सार और मूल्य सीखा। मुझे उद्देश्यपूर्ण जीवन मिला। पीएम मोदी ने बताया कि बचपन में आरएसएस की सभाओं में जाना हमेशा अच्छा लगता था। मेरे मन में हमेशा एक ही लक्ष्य रहता था, देश के काम आना। यही *संघ* (आरएसएस) ने मुझे सिखाया। आरएसएस इस साल 100 साल पूरे कर रहा है। आरएसएस से बड़ा कोई *स्वयंसेवी संघ* दुनिया में नहीं है। आरएसएस को समझना आसान काम नहीं है, इसके कामकाज को समझना होगा। यह अपने सदस्यों को जीवन का उद्देश्य देता है। यह सिखाता है कि राष्ट्र ही सब कुछ है और समाज सेवा ही ईश्वर की सेवा है। हमारे वैदिक संतों और स्वामी विवेकानंद ने जो सिखाया है, संघ भी यही सिखाता है... आरएसएस के कुछ सदस्यों ने शिक्षा में क्रांति लाने के लिए *विद्या भारती* नामक संगठन की शुरुआत की। उनके देश भर में करीब 25 हजार स्कूल चलते हैं, एक समय में 30 लाख छात्र इन स्कूलों में पढ़ते हैं... वामपंथियों द्वारा प्रचारित श्रमिक आंदोलन *दुनिया के मजदूरों, एक हो जाओ!* का नारा लगाते हैं, जबकि आरएसएस का श्रमिक संगठन *मजदूरों, दुनिया को एक करो!* का नारा लगाता है। वहीं, -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

गरीबी विनम्रता की परीक्षा और मित्रता की कसौटी है।

-हैजलिट

शाह ने पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों संग की बैठक नए आपराधिक कानूनों को लागू करने की समीक्षा की

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुवाहाटी के एक होटल में पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों और डीजीपी के साथ बैठक की। इसमें तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई। राष्ट्रपति शासन वाले मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला बैठक में शामिल हुए। असम के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर गुवाहाटी में पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं। बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र के सात मुख्यमंत्री भाग ले रहे हैं, जबकि मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर को छोड़कर पांच राज्यों के डीजीपी मौजूद हैं। इसमें कई पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्य सचिव भी मौजूद हैं। आठ राज्यों में से प्रत्येक भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के कार्यान्वयन पर केंद्रीय गृह मंत्री को अद्यतन -शेष पृष्ठ दो पर

ड्रग माफियाओं पर कोई रहम नहीं : अमित शाह

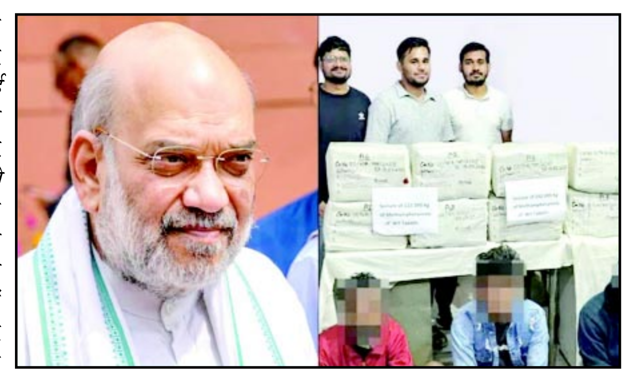

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि सरकार नशीली दवाओं के तस्करों पर *कोई रहम नहीं* दिखाएगी। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने नशा तस्करी से निपटने के लिए *नीचे से ऊपर और ऊपर से नीचे* की रणनीति अपनाई है। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मादक पदार्थ माफियाओं के लिए कोई दया नहीं। मोदी सरकार के नशामुक्त भारत के निर्माण के अभियान को गति देते हुए, 88 करोड़ रुपए मूल्य की *मेथमफेटामाइन* गोलियों की एक बड़ी खेप जब्त की गई और इंफाल तथा गुवाहाटी क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि यह नशीली दवाओं की जब्ती हमारी नीचे से ऊपर और ऊपर से नीचे की जांच रणनीति की शानदार सफलता का प्रमाण है। गृह मंत्री ने इस बात को दोहराया कि सरकार नशा तस्करी के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि हमारा नशे के खिलाफ अभियान जारी रहेगा, यह बताते हुए कि सरकार अवैध नशे के व्यापार से निपटने और राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले, 3 मार्च को असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस ने चंफाई जिले में एक संयुक्त अभियान में 60.63 करोड़ रुपए की मेथामफेटामाइन टैबलेट्स जब्त की थी। यह ऑपरेशन 28 फरवरी को जोखावथर के क्रॉसिंग पॉइंट वन इलाके में चलाया गया था। असम राइफल्स ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस ने 28 फरवरी को जोखावथर, -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

आईपीएल : कल छात्र टिकट काउंटर खोला जाएगा

गुवाहाटी। राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच 26 मार्च को गुवाहाटी में खेले जाने वाले इंडियन प्रीमियर लीग [आईपीएल] मैच के लिए विशेष टिकट 18 मार्च को लॉन्च किए जाएंगे। यह टिकट ऑनलाइन उपलब्ध नहीं है इसके विपरीत शहर में विशेष स्थानों पर टिकट काउंटर खोले -शेष पृष्ठ दो पर

मानस राष्ट्रीय उद्यान में जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला

चिरांग। चिरांग जिले के बिजनी में भारत-भूटान सीमा के पास मानस राष्ट्रीय उद्यान में हाथी के घातक हमले में एक स्थानीय निवासी की मौत हो गई। मृतक की पहचान अनिल बर्मन (60) के रूप में हुई है, जो 2 नंबर दाइलोंगझार गांव का निवासी है। शनिवार को बर्मन अपने साथियों के साथ जंगली सब्जियां लेने के लिए राष्ट्रीय उद्यान में घुसा था। भ्रमण के दौरान उनका सामना एक जंगली हाथी से हुआ, जिसने समूह पर -शेष पृष्ठ दो पर

असम के मुख्यमंत्री ने नागालैंड के सीएम रियो से मुलाकात की

गुवाहाटी। असम और नागालैंड के मुख्यमंत्रियों ने 16 मार्च को दोनों राज्यों के साथ-साथ पूर्वोत्तर के लिए आपसी हित के मामलों पर चर्चा की। असम के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने रविवार तड़के पोस्ट किया कि एचसीएम डॉ. हिमंत विश्व ने आज सुबह गुवाहाटी के होटल रेडिसन ब्लू में अपने नागालैंड समकक्ष @नीफिउ_रियो से मुलाकात की। इसमें कहा गया कि चर्चा असम, नागालैंड और पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए आपसी हित के मामलों पर केंद्रित थी, साथ ही शुभकामनाओं का गर्मजोशी -शेष पृष्ठ दो पर

मुस्लिमों को नितिन गडकरी ने दी सलाह

शिक्षा के साथ ज्ञान-विज्ञान से जुड़े

नागपुर। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में एक कॉलेज के दीक्षांत समारोह में मुस्लिम समुदाय पर बयान दिया है। उन्होंने बेबाकी से कहा कि हमारे समाज में मुस्लिम समुदाय को शिक्षा की सबसे ज्यादा जरूरत है। गडकरी ने मुस्लिम समुदाय में शिक्षा पर जोर देते हुए लोगों से अपील की कि आप शिक्षा और रोजगार के महत्व को समझें। गडकरी ने बताया कि जब वह महाराष्ट्र में विधायक थे तो उन्हें भी एक इंजीनियरिंग कॉलेज मिला। इस इंजीनियरिंग कॉलेज को उन्होंने नागपुर के अंजुमन इस्लाम को दे दिया। इसके बाद जब उनसे पूछा गया कि आपने इसे अंजुमन इस्लाम को क्यों दिया? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा कि हमारे समाज में शिक्षा की सबसे ज्यादा आवश्यकता कहीं है तो मुस्लिम समाज में है। गडकरी ने कहा कि दुर्भाग्यवश ये पांच ही धंधे इस समाज मे लोकप्रिय हुए - चाय की टपरी, पान ठेला, कबाड़ी की दुकान, ट्रक ड्राइवर -शेष पृष्ठ दो पर

क्रू 10 इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचा

नौ महीने बाद बुधवार को घर के लिए रवाना होंगी सुनीता विलियम्स

नई दिल्ली। स्पेसएक्स रॉकेट नासा के क्रू-स्वैप मिशन के सभी चार अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पहुंच गया है। इसके साथ ही सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर के घर लौटने का रास्ता भी साफ हो गया है। बता दें, विलियम्स और विल्मोर पिछले नौ महीनों से -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रेन अपहरण के बाद बीएलए ने सुरक्षा बलों के काफिले को बनाया निशाना

आत्मघाती हमले में 90 सैनिकों की मौत का दावा, सात की पुष्टि

नई दिल्ली। ट्रेन अपहरण के बाद पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में अब सुरक्षा बलों के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ, जिसमें सात जवानों की मौत हो गयी है। बलूच लिबरेशन आर्मी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि उनके आत्मघाती हमले में 90 सैन्यकर्मी मारे गए हैं। हालांकि, सूत्रों ने अभी तक सात मौतों की पुष्टि की है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने विस्फोट स्थल की घेराबंदी कर दी है। इसी के साथ इलाके की निगरानी के लिए ड्रोन लॉन्च किए गए हैं। क्वेटा से ताफ्तान जा रहे अर्धसैनिक फ्रंटियर कॉर्प (एफसी) के काफिले पर हमला नोश्की इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन से काफिले को टक्कर मार दी। बता दें, सुरक्षा बलों के इस काफिले में सात बस और दो वाहन शामिल थे। -शेष पृष्ठ दो पर

शमी की बेटी ने होली खेली, मौलाना नाराज, कहा-

ये शरीयत के खिलाफ और नाजायज क्रिकेटर को रोकना चाहिए था

बरेली। ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बेटी के होली खेलने पर सख्त एतराज जताते हुए इसे अवैध और शरीयत के खिलाफ बताया है। उन्होंने कहा कि वह छोटी बच्ची है। अगर वह बिना समझे होली खेलती है तो यह कोई अपराध नहीं है। अगर वह समझदार है और फिर भी होली खेलती है तो इसे शरीयत के खिलाफ माना जाएगा। उन्होंने शमी पर तंज करते हुए कहा कि पहले तो मोहम्मद शमी ने रमजान में रोजा न रखकर पाप किया और अब उनकी बेटी होली खेल रही है। रजवी ने कहा कि उन्होंने पहले भी शमी को इस्लाम के सिद्धांतों का पालन करने की सलाह दी थी। इसके बावजूद उनकी बेटी का होली मनाते हुए वीडियो जारी किया गया। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भारत और न्यूजीलैंड के बीच फिर शुरू होगी मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत : पीएम लक्सन

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड ने रविवार को मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने की घोषणा की। बता दें कि, यह वार्ता साल 2010 में शुरू हुई थी और साल 2015 में रुक गई थी, लेकिन अब इसे फिर से शुरू किया जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड ने अप्रैल 2010 में समग्र आर्थिक सहयोग समझौते (सीईसीए) पर बातचीत शुरू की थी। जिसका उद्देश्य वस्तुओं, सेवाओं और निवेश के व्यापार को बढ़ावा देना था। लेकिन नौ दौर की वार्ताओं के बाद 2015 में ये चर्चा रुक गई थी। भारत के वाणिज्य मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि दोनों देश भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर फिर से वार्ता शुरू करने की घोषणा करते हैं। इस समझौते का उद्देश्य आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना और बाजार पहुंच को आसान बनाना है। यह घोषणा तब हुई जब न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन भारत की चार दिवसीय यात्रा (16-20 मार्च) पर आए हुए हैं। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। वह रायसीना डायलॉग 2025 में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर लक्सन 16 से 20 मार्च तक देश में रहेंगे। यह निर्णय भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले की बैठक के बाद लिया गया। इसे लेकर वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है, भारत और न्यूजीलैंड के बीच दीर्घकालिक साझेदारी है, जो साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, लोगों के बीच मजबूत संबंधों और आर्थिक पूरकताओं पर आधारित है। दोनों देशों ने व्यापार और निवेश को शामिल करते हुए अपने द्विपक्षीय संबंधों को बनाने की दिशा में लगातार काम किया है। आगे लिखा गया कि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की भारत यात्रा के अवसर पर और हमारे आर्थिक सहयोग को गहरा करने की भावना से, दोनों राष्ट्र एक व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते वार्ता के लिए वार्ता शुरू करने की घोषणा करते हुए प्रसन्न हैं। यह अहम फैसला 16 मार्च, 2025 को भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले के बीच एक बैठक के दौरान लिया गया कि जिसने दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापार संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण साझेदारी की नींव रखी। व्यापार में बढ़ोतरी होगी और दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध मजबूत होंगे। निवेश के नए अवसर बनेंगे और बाजार में कंपनियों को अधिक पहुंच मिलेगी। आपूर्ति श्रृंखला बेहतर होगी, जिससे व्यापार करने में आसानी होगी।

दाह संस्कार में शामिल लोगों पर मधुमक्खियों का हमला, शव छोड़कर भागे

पाली (हिंस)। सोजत तहसील के चंडावल कस्बे के पास देवली गांव में रविवार को दाह-संस्कार के लिए अर्थी श्मशान ले जा रहे लोगों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इस हमले में 35 से ज्यादा लोग डंक का शिकार हो गए। अंतिम यात्रा में अफरा-तफरी मच गई। लोग बचने के लिए इधर-उधर भागने लगे। शव को अर्थी पर छोड़ लोग भाग गए। जानकारी के अनुसार देवली गांव के एक युवक की मौत हो गई थी। रविवार सुबह परिजन और ग्रामीण अंतिम संस्कार के लिए शव को मोक्षधाम ले जा रहे थे। रास्ते में अंतिम यात्रा में शामिल लोगों पर मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से लोग चिल्लाते हुए इधर-उधर भागने लगे। मधुमक्खियों के हमले में करीब 35 लोग घायल हुए। उन्हें इलाज के लिए चंडावल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। कई बुजुर्गों को परिजन गोद में उठाकर हॉस्पिटल लाए। चंडावल हॉस्पिटल में डॉ. प्रकाशचंद, मेल नर्स रमेश छीपा, अल्लाफ आदि ने उपचार शुरू किया। गंभीर हालत में पांच-छह लोगों को सोजत रेफर किया गया। अंतिम यात्रा में शामिल एक परिजन ने बताया कि हम बॉडी लेकर बरगद के पेड़ के पास से गुजर रहे थे। इस दौरान पेड़ की शाख पर लगी मधुमक्खियों ने हमला कर दिया। इससे अफरा-तफरी मच गई। संभवत: सेंट की खुशबू के चलते मधुमक्खियों ने हमला किया। हमने बचने की कोशिश की लेकिन मधुमक्खियों ने पीछा नहीं छोड़ा। घबरा कर लोग बॉडी को वहीं छोड़कर भाग गए।

गुवाहाटी में सड़क दुर्घटना में स्कूटी चालक की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के नूनमाटी सेक्टर-3 में एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक स्कूटी चालक की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज रफ्तार एक यात्री बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे चालक वाहन समेत बस के अगले हिस्से के नीचे आ गया और उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया और यातायात व्यवस्था पर सवाल उठाए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। हादसे की जांच जारी है। खबर लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है।

जेनेरेटर में हुआ ब्लास्ट और गुल हुई पूरे देश की बिजली

नई दिल्ली। मध्य अमेरिकी देश पनामा में रविवार को पूरे देश की बत्ती गुल हो गयी। रिपोर्ट के अनुसार, ला चोरेरा थर्मोइलेक्ट्रिक पावर प्लांट के एक जनरेटर में विस्फोट के बाद पनामा में पूरे देश में ब्लैकआउट हो गया। विस्फोट के कारण जनरेटर के अंदर आग लग गई। बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो भी इसकी जानकारी देते हुए कहा कि एक जेनेरेटर के फटने के बाद ऐसे हालात पैदा हो गए। इंस्टीट्यूट ऑफ एक्वाडक्ट्स एंड सीवर्स (आईडीएएन) ने कहा कि ब्लैकआउट के कारण वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट प्रभावित होने के कारण पेयजल की आपूर्ति भी बाधित हो गई है। मुलिनो ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि इसमें राजधानी पनामा सिटी के दक्षिण-पश्चिम में एक प्रतिष्ठान में विस्फोट दिखाया गया है। उन्होंने लिखा कि सेवाएं धीरे-धीरे बहाल कर दी जाएंगी।

उत्तर मैसेडोनिया के नाइट क्लब में आग लगने से 51 लोगों की मौत, सौ घायल

मैसेडोनिया। दक्षिणी यूरोप के मध्य बाल्कन प्रायद्वीप पर स्थित देश उत्तर मैसेडोनिया के दक्षिणी शहर कोकानी के एक नाइट क्लब में शनिवार देर रात लगी भीषण आग में 51 लोगों की मौत हो गई और लगभग 100 अन्य घायल हो गए। गृह मंत्री पांसे तोशकोवस्की ने संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। तोशकोवस्की ने बताया कि आग देर रात 2:35 बजे एक स्थानीय पॉप समूह के संगीत कार्यक्रम के दौरान लगी। उन्होंने कहा कि क्लब में जाने वाले युवाओं ने आतिशबाजी की जिससे आग लग गई। परिवार के सदस्य अस्पतालों और कोकानी में कार्यालयों के सामने एकत्र होकर अधिकारियों से इस संबंध में अधिक जानकारी देने की गुहार लगा रहे हैं। तोशकोवस्की ने कहा कि पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, लेकिन उन्होंने उस व्यक्ति की संलिप्तता के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी।

पूसीरे ने फरवरी में 0.956 एमटी माल लोडिंग की

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) अपने ग्राहकों को सेवा प्रदान करने और अंतिम उपयोगकर्ताओं को आवश्यक वस्तुओं की तेज डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात अथक प्रयास कर रही है। माल परिवहन में निरंतर प्रगति करते हुए, पूसीरे ने फरवरी में विभिन्न वस्तुओं में 0.956 मिलियन टन (एमटी) माल लोडिंग दर्ज की। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया कि फरवरी में कई वस्तुओं ने पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में माल लोडिंग में महत्वपूर्ण वृद्धि दर्ज की। कंटेनर लोडिंग में 44.4 फीसदी, सीमेंट लोडिंग में 37.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि डोलोमाइट लोडिंग 26.7 फीसदी और उर्वरक लोडिंग 5.0 फीसदी बढ़ा है। इसके अतिरिक्त, पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में अन्य क्षेत्रों जैसे बलास्ट लोडिंग में 27.3 फीसदी, स्टोन चिप्स में 50.5 फीसदी और बांस लोडिंग में 800 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। माल लोडिंग में निरंतर वृद्धि इस क्षेत्र में बढ़ती आर्थिक गतिविधि को दर्शाती है। फरवरी तक पूसी रेलवे का कुल माल लोडिंग 9.627 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 4.9 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। इस बढ़ते ट्रेंड ने न केवल इस क्षेत्र की आर्थिक परिदृश्य को मजबूत किया है, बल्कि पूसी रेलवे के राजस्व में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आगे कदम बढ़ाते हुए, सेवा की विश्वसनीयता और दक्षता को बढ़ाने के लिए तकनीकी उन्नति के प्रति पूसी रेलवे प्रतिबद्ध है, ताकि माल परिवहन में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित हो सके।

वक्फ संशोधन बिल : आज दिल्ली में जंतर-मंतर पर मुसलमानों का हल्लाबोल

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ कल दिल्ली के जंतर-मंतर पर मुसलमानों का जुटान है। वक्फ संपत्ति की रक्षा के लिए ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भारत की मुसलमानों से अपील की है कि वे इस बिल के विरोध में जंतर मंतर पर पहुंचे। एआईएमपीएलबी ने कहा है कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड भारत के मुसलमानों को आवाज देता है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने पोस्टर जारी कर कहा है कि हम भारतीय मुसलमानों को यह अहसास है कि वक्फ संशोधन बिल अवकाफ को हड़पने की एक सोची समझी साजिश है, जिसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा। मिल्लत-ए-इस्लामिया वक्फ संशोधन बिल को खारिज करता है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा वक्फ बिल के खिलाफ 13 मार्च को जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन का एलान किया था। बोर्ड के प्रवक्ता एसक्यूआर इलियास ने बताया कि यह प्रदर्शन 13 मार्च को होना था, लेकिन होली की छुट्टियों के कारण इसे स्थगित कर दिया गया है और उस दिन संसद की बैठक भी नहीं होगी। उन्होंने यह भी बताया कि इस विरोध प्रदर्शन के लिए कई सांसदों को आमंत्रित किया गया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने कहा है कि यह मुसलमानों पर सीधा हमला है। बोर्ड के प्रवक्ता इलियास ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि संसद की संयुक्त समिति हमारे सुझावों पर विचार करेगी लेकिन न तो हमारी राय पर विचार किया गया और न ही विपक्षी दलों द्वारा प्रस्तावित संशोधनों को शामिल किया गया। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने संसदीय पैनल द्वारा मांगे गए सुझावों पर ईमेल के माध्यम से 3.6 करोड़ से अधिक प्रतिक्रियाएं उपलब्ध कराई हैं। एआईएमपीएलबी का कहना है कि सरकार ये संशोधन हमारे ऊपर थोपना चाहती है।

पृष्ठ एक का शेष

बोड़ो समझौते के ...

भाषण दिया। अन्य उल्लेखनीय उपस्थित लोगों में उर्खाओ गौड़ा ब्रह्म, कैबिनेट मंत्री, डॉ सुरथ नार्जारी, बोड़ो साहित्य सभा के अध्यक्ष, विश्वजीत दैमारी, असम विधानसभा के अध्यक्ष उपस्थित थे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने क्षेत्र में स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि यह दोतोमा की मेरी पहली यात्रा है और मैं उन 5,000 व्यक्तियों को श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने बोड़ोलैंड को आज जो कुछ भी मिला है, उसके लिए अपने प्राणों की आहुति दी। हम आगामी ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले बोड़ोलैंड के खिलाड़ियों को देखना चाहते हैं। हम बोड़ोलैंड के युवाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और हम इस वादे को पूरा करेंगे। बोड़ो भाषा को अब राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिलने के बाद हम इसकी व्यापक स्वीकृति सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेंगे। बोड़ो समझौते पर हस्ताक्षर शांति और विकास की दिशा में एक कदम था और सरकार किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। असम और केंद्र सरकार द्वारा 82 प्रतिशत समझौते पहले ही पूरे किए जा चुके हैं और शेष को पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में अगले दो वर्षों में पूरा किया जाएगा। आर्थिक विकास, सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण और अधिक स्वायत्तता प्रमुख क्षेत्र हैं जिन पर हम काम कर रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बोड़ोलैंड की प्रगति के लिए राज्य की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। बोड़ो समुदाय हमेशा से असम के विविध सांस्कृतिक ताने-बाने का अभिन्न अंग रहा है। हम बोड़ोलैंड में शिक्षा और विकास को मजबूत करके बोडोफा उपेंद्र नाथ ब्रह्म के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सरकार रोजगार पहल और बुनियादी ढांचे के उन्नयन सहित दीर्घकालिक लाभ लाने वाली नीतियों को लागू करने पर केंद्रित है। एक प्रगतिशील समाज को आकार देने में आब्सू का योगदान सराहनीय है और हम लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। विश्वविद्यालयों सहित कई नए शैक्षणिक संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं और अगले तीन वर्षों के भीतर कोकराझाड़ में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जाएगा। हमने बोड़ोलैंड में 35 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना की घोषणा की है। बोडोफा की जयंती को उचित श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है और हम उनकी पुण्यतिथि पर राज्य पुरस्कारों से बोड़ो उपलब्धि हासिल करने वालों को मान्यता देकर उनकी विरासत का सम्मान भी करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हम बीटीआर क्षेत्र में शांति, सद्भाव और विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं। आब्सू के अध्यक्ष दीपेन बोड़ो ने सभा को संबोधित करते हुए पिछले चार दिनों में हुई चर्चाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले चार दिनों में हमने सार्थक बातचीत की है, जिसमें प्रगति के लिए प्रमुख चुनौतियों और अवसरों की पहचान की गई है। विचार-विमर्श बहुत ही उपयोगी रहा है और लिए गए संकल्प आने वाले वर्षों में हमारे प्रयासों की दिशा तय करेंगे। हमारा ध्यान इन चर्चाओं को कार्रवाई योग्य पहलों में बदलने पर होगा और यह सुनिश्चित करेगा कि इस सभा से मिली सीख को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। आब्सू अपने समुदाय के अधिकारों, शिक्षा और विकास की वकालत करने में दृढ़ है और हम अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए अपने संस्थानों और नीतियों को मजबूत करने के लिए काम करना जारी रखेंगे। बीटीआर के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो ने आत्मनिर्भरता और आर्थिक सशक्तीकरण की बात कही। उन्होंने कहा कि एक प्रगतिशील बोड़ोलैंड को शिक्षा, उद्यमिता और बुनियादी ढांचे में निवेश की आवश्यकता है। इस क्षेत्र की आर्थिक नींव को मजबूत करना इसकी दीर्घकालिक समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण है। इस सम्मेलन ने एक आत्मनिर्भर, संपन्न बोड़ोलैंड को बढ़ावा देने की हमारी सामूहिक महत्वाकांक्षा की पुष्टि की है। हम अपने युवाओं के लिए अवसर पैदा करने और क्षेत्र के विकास की गति को बढ़ाने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे। कार्यक्रम का समापन लेट खानिन बोड़ोसा सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ, जिसका उद्घाटन प्रसिद्ध बोड़ो अभिनेता ओम प्रकाश खेरकटारी ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में मेनोका, गौतम, बुडांग बोलोब, फुकन, हीमा, जे.सी., प्रैक्टिकल, कैलाश, लक्ष्मी और उनकी टीम ने बोड़ो समुदाय की कलात्मक परंपराओं का जश्न मनाते हुए प्रदर्शन किया।

ट्रिपल इंजन सरकार ...

मॉडल हाई स्कूल में अपग्रेड करना तथा 1200 मेगावाट क्षमता वाला बिजली उत्पादन केंद्र स्थापित करना आदि प्रमुख रूप से शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं के अलावा भी सरकार कई अन्य विकास परियोजनाओं पर काम कर रही है, जिससे बोड़ोलैंड क्षेत्र के लोगों को लाभ मिलेगा।

आरएसएस को समझना...

लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट में पीएम मोदी ने अपनी आलोचनाओं पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि मैं आलोचना का स्वागत करता हूं, मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह लोकतंत्र की आत्मा है। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान को लेकर भी बात की। पीएम ने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि पाकिस्तान को सद्बुद्धि मिलेगी और वे शांति का रास्ता चुनेंगे। पीएम ने कहा कि पाकिस्तान के लोग भी शांति चाहते हैं। मैंने अपने शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान को आमंत्रित किया था ताकि वह एक नया अध्याय शुरू कर सके, लेकिन शांति के हर प्रयास का सामना दुश्मनी और विश्वासघात से हुआ। पीएम मोदी ने कहा कि जब भी हम शांति की बात करते हैं, तो दुनिया हमारी बात सुनती है क्योंकि भारत गौतम बुद्ध और महात्मा गांधी की भूमि है। लेक्स फ्रीडमैन पॉडकास्ट में पीएम मोदी ने कहा कि जब मैं विश्व नेताओं से हाथ मिलाता हूं, तो ऐसा मोदी नहीं बल्कि 1.4 अरब भारतीय करते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी ताकत मेरे नाम में नहीं बल्कि 1.4 अरब भारतीयों और देश की कालातीत संस्कृति और विरासत के समर्थन में निहित है। गौरतलब है कि फ्रीडमैन पिछले महीने पीएम मोदी का साक्षात्कार लेने के लिए भारत आए थे। अपनी यात्रा से पहले उन्होंने भारत के इतिहास सहित कई विषयों पर घंटों पीएम मोदी के साथ बातचीत करने की खुशी और उत्सुकता व्यक्त की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि पीएम मोदी उनके अब तक पढ़े गए सबसे आकर्षक इंसानों में से एक हैं।

शाह ने पूर्वोत्तर राज्यों ...

करने के लिए प्रस्तुति दी। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बैठक का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों में पुलिस, जेल, अदालतों, अभियोजन और फोरेंसिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा करना है। इस दौरान शाह ने असम सीआईडी की ओर से तैयार और असम सरकार से प्रकाशित पुस्तक *न्यू क्रिमिनल लॉज : स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर्स एंड रूल्स* का विमोचन किया।

ड्रग माफियाओं पर ...

चंफाई जिले में 20.209 किग्रा मेथामफेटामाइन टैबलेट्स जब्त की, जिसकी कीमत 60.627 करोड़ रुपए है। इसके अलावा, 28 फरवरी को असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस ने खुफिया जानकारी के आधार पर मिजोरम में एक संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और हथियार व गोला-बारूद बरामद किए गए। 27 फरवरी को सुरक्षा बलों ने लांगतलाई जिले के लॉंगतलाई कस्बे में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाया। इस दौरान दो लोगों को गिरफ्तार कर गोला-बारूद बरामद किया गया। मोदी सरकार की नशीली दवाओं के खिलाफ यह कार्रवाई राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और समाज को नशे से मुक्त करने के प्रयासों का हिस्सा है। गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया कि सरकार नशा तस्करी को खत्म करने के लिए हर संभव कदम उठाएगी और इसमें किसी भी प्रकार की ढील नहीं दी जाएगी।

असम के मुख्यमंत्री ...

से आदान-प्रदान भी हुआ। सीएम रियो रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक के लिए गुवाहाटी में हैं, जहां वे क्षेत्र में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के कार्यान्वयन की समीक्षा करेंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बाद में एक्स पर अपडेट दिया कि आज सुबह, मैंने नागालैंड के माननीय मुख्यमंत्री @Neiphiu_Rio जी के साथ अच्छी चर्चा की, जो पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुवाहाटी में हैं। गृह मंत्री शाह फिलहाल असम और मिजोरम के तीन दिवसीय दौरे पर हैं और उनका दौरा रविवार शाम को समाप्त होगा।

शिक्षा के साथ...

और क्लीनर। उन्होंने आगे मुस्लिमों से अपील करते हुए कहा कि शिक्षा और रोजगार के महत्व को समझें। इन सीमित व्यवसायों से अलग आपको मेडिकल और इंजीनियरिंग जैस क्षेत्रों में भी अपनी पहचान बनानी चाहिए। हम सबको समझना चाहिए कि शिक्षा ही आर्थिक सामाजिक विकास का आधार है। गडकरी ने आगे सलाह देते हुए कहा कि मस्जिद में नमाज पढ़ें, एक बार नहीं सौ बार पढ़ें। यह भी समझें कि जब तक आप विज्ञान और तंत्र विज्ञान को आत्मसात नहीं करेंगे, तब तक आपका भविष्य क्या होगा? आज विज्ञान और तकनीक का युग है और इसमें आपके समुदाय की भागीदारी बढ़नी चाहिए। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम जी ने अपने ज्ञान-विज्ञान से पूरी दुनिया में नाम कमाया था। उन्होंने कहा कि अगर इस समुदाय के लोग आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर समेत दूसरे क्षेत्रों में आएंगे, तो इससे समाज का विकास होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वो एक बात में विश्वास रखते हैं कि कोई भी व्यक्ति जात, पंथ, धर्म, भाषा से बड़ा नहीं होता। वह बड़ा होता है अपने गुणों के कारण। इसलिए जात, पंथ, भाषा, धर्म के आधार पर किसी को डिस्क्रिमिनेट नहीं करते। अब राजनीति में यहां बहुत बातें चलती हैं, लेकिन मैंने कह दिया है कि हम अपने हिसाब से चलेंगे जिसको वोट देना होगा देगा, जिसको नहीं देना होगा नहीं देगा।

नौ महीने बाद बुधवार...

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे हुए हैं। उन्हें वहां से निकालने के लिए नासा और स्पेसएक्स ने मिलकर क्रू-10 मिशन लॉन्च किया था। शुक्रवार को शाम 7:03 बजे ईटी पर फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च होने के करीब 29 घंटे बाद, क्रू-10 अंतरिक्ष यात्रियों का स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन कैप्सूल रविवार को सुबह 12:04 बजे ईटी (सुबह 9:40 बजे आईएसटी) पर आईएसएस में शामिल हो गया। स्टेशन के सात सदस्यीय चालक दल ने चारों अंतरिक्ष यात्रियों का स्वागत किया, जिसमें विल्मोर और विलियम्स भी शामिल हैं। इसके बाद सब लोगों ने तस्वीरों के लिए पोज दिए। बता दें, नासा ने इसका लाइव टेलीकास्ट किया था। विलमोर और विलियम्स बुधवार को सुबह 4 बजे ईटी (1 पीएम आईएसटी) पर आईएसएस से रवाना होने वाले हैं, उनके साथ नासा के अंतरिक्ष यात्री निक हेग और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव भी होंगे। हेग और गोरबुनोव सितंबर में क्रू ड्रैगन क्राफ्ट पर आईएसएस के लिए उड़ान भरी थी, जिसमें विल्मोर और विलियम्स के लिए दो खाली सीटें थीं, और तब से वह क्राफ्ट स्टेशन से जुड़ा हुआ है। क्रू-10 के क्रू में नासा के अंतरिक्ष यात्री ऐनी मैकक्लेन और निकोल एयर्स, जापानी अंतरिक्ष यात्री ताकुया ओनिशी और रूसी अंतरिक्ष यात्री किरिल पेसकोव शामिल हैं। ये क्रू लगभग छह महीने तक स्टेशन पर रहने वाला है। क्रू-स्वैप मिशन राजनीति में उलझ गया क्योंकि ट्रम्प और उनके सलाहकार एलन मस्क, जो स्पेसएक्स के सीईओ भी हैं, ने क्रू-10 को जल्दी लॉन्च करने का आग्रह किया। उन्होंने बिना सबूत के दावा किया कि ट्रम्प के पूर्ववर्ती जो बाइडन ने राजनीतिक कारणों से विल्मोर और विलियम्स को स्टेशन पर छोड़ दिया था।

आत्मघाती हमले में ...

स्थानीय नोश्की पुलिस थाने के प्रमुख जफरुल्लाह सुमालानी ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि यह एक आत्मघाती हमला था। अधिकारी ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। सुमालानी ने कहा कि हमले की जगह से मिले साक्ष्यों से पता चलता है कि एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे वाहन को एफसी काफिले में घुसा दिया। खबरों के अनुसार, बीएलए की ओर से जारी बयान में कहा गया कि बलूच लिबरेशन आर्मी की फिदायी इकाई मजीद ब्रिगेड ने कुछ घंटे पहले नोशकी में आरसीडी हाईवे पर रखशान मिल के पास वीबीआईईडी फिदायी हमले में कब्जे वाली पाकिस्तानी सेना के काफिले को निशाना बनाया। काफिले में आठ बसें थीं, जिनमें से एक विस्फोट में पूरी तरह नष्ट हो गई। इसमें कहा गया कि हमले के तुरंत बाद, बीएलए के फतेह दस्ते ने आगे बढ़कर एक और बस को पूरी तरह से घेर लिया, व्यवस्थित रूप से उसमें सवार सभी सैन्य कर्मियों को मार गिराया, जिससे दुश्मन के हताहतों की कुल संख्या 90 हो गई। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने हमले की निंदा की और जानमाल का नुकसान होने पर दुख जताया। बुगती ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा कि बलूचिस्तान की शांति के साथ खिलवाड़ करने वालों का दुखदायी अंत होगा। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने भी निर्दोष लोगों को निशाना बनाकर किए गए हमले की निंदा की। इससे पहले इसी प्रांत में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के आतंकवादियों ने 11 मार्च को गुडलार और पीरू कुनरी के पहाड़ी इलाकों के पास 440 यात्रियों को लेकर जा रही जाफर एक्सप्रेस पर घात लगाकर हमला किया था। सेना द्वारा 12 मार्च को सभी 33 आतंकवादियों को मार गिराने से पहले आतंकवादियों ने 21 यात्रियों और अर्धसैनिक बलों के चार जवानों को मार डाला था।

ये शरीयत के खिलाफ...

रजवी ने कहा कि मैंने शमी और उनके परिवार के सदस्यों से अपील की है जो शरीयत में नहीं है, उसे अपने बच्चों को न करने दें। होली हिंदुओं के लिए बहुत बड़ा त्योहार है, लेकिन मुसलमानों को होली मनाने से बचना चाहिए। अगर कोई शरीयत को जानने के बाद भी होली मनाता है तो यह गुनाह है। उन्होंने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में हाल ही में मिली जीत के लिए भारतीय क्रिकेट टीम को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि मैं टीम इंडिया के कप्तान, सभी खिलाड़ियों और मोहम्मद शमी को उनकी सफलता के लिए तहे दिल से बधाई देता हूं। बता दें कि इस महीने की शुरुआत में रजवी ने कहा था कि शमी ने इस्लामी पवित्र महीने रमजान के दौरान उपवास न रखकर पाप किया है। रजवी ने शमी को यह भी निर्देश दिया कि वह अपने परिवार के सदस्यों से शरीयत का अनादर न करने का आग्रह करें। 6 मार्च को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के दौरान शमी को बोतल से पानी पीते हुए देखे जाने के बाद मौलवी ने कहा था कि शरीयत की नजर में वह अपराधी हैं। उसे ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहिए था। रजवी ने कहा था कि शरीयत के नियमों का पालन करना सभी मुसलमानों की जिम्मेदारी है। इस्लाम में रोजा रखना अनिवार्य है। अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर रोजा नहीं रखता है तो इस्लामी कानून के अनुसार उसे पापी माना जाता है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट खेलना बुरा नहीं है, लेकिन मोहम्मद शमी को अपनी धार्मिक जिम्मेदारियां निभानी चाहिए। मैं शमी को शरिया के नियमों का पालन करने और अपने धर्म के प्रति जिम्मेदार होने की सलाह देता हूं।

आईपीएल : कल छात्र ...

जाएंगे। टिकट काउंटर पर पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर प्राप्त किए जा सकते हैं टिकट काउंटर के स्थान और खुलने का समय एक दिन पहले घोषित किया जाएगा। इन टिकटों को खरीदने के लिए छात्रों को वैध स्कूल प्रमाण प्रस्तुत करना आवश्यक है टिकट की कीमत पांच सौ रुपए है राजस्थान रॉयल्स एकमात्र आईपीएल टीम है जो छात्रों को कम कीमत पर विशेष टिकट उपलब्ध करा रही है टीम ने गुवाहाटी और जयपुर में खेले जाने वाले सभी घरेलू मैचों के लिए छात्रों के लिए विशेष टिकटों की व्यवस्था की है राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच 30 मार्च को गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम में खेले जाने वाले दूसरे आईपीएल मैच के लिए टिकटों की रिलीज की तारीख बाद में घोषित की जाएगी। इस बीच, 30 मार्च को सीएसके-आरआर मैच के अंतिम चरण के टिकट बुक माई शो पर जारी कर दिए गए हैं मैच का लुत्फ उठाने की उम्मीद कर रहे दर्शकों के लिए टिकट खरीदने का यह आखिरी मौका होगा। एसीए स्टेडियम, जिसमें लगभग 35,000 दर्शक बैठ सकते हैं, में बिकने के लिए केवल 2,000 से 3,000 टिकट ही बचे हैं हालांकि, आईपीएल का लुत्फ उठाने के इच्छुक गुवाहाटी के क्रिकेट प्रशंसक 26 मार्च को राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच होने वाले मैच के टिकट खरीद सकेंगे, भले ही वे दूसरे मैच के टिकट से वंचित रह जाएं। बुक माई शो पर मैच के लिए अभी भी लगभग 10,000 टिकट उपलब्ध हैं।

मानस राष्ट्रीय उद्यान ...

हमला कर दिया। जबकि उनके साथी सुरक्षित बच निकलने में सफल रहे, अनिल बर्मन की दुखद मृत्यु हो गई। रविवार को वन विभाग के अधिकारियों ने मानस राष्ट्रीय उद्यान के अंदर से उसका शव बरामद किया और उसके आवास पर पहुंचाया।

असम को म्यांमार, बांग्लादेश के घटनाक्रम पर नजर रखनी चाहिए : पूर्व भारतीय राजनयिक सुधीर टी देवरे

सिलचर। पूर्व भारतीय राजनयिक सुधीर टी देवरे ने कहा कि म्यांमार और बांग्लादेश में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के बीच असम को अपनी सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सतर्क रहना चाहिए। असम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोलते हुए देवरे ने असम के विकासात्मक कदमों के महत्व तथा सीमा पार विकास की निगरानी की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से भारत की एक्ट ईस्ट नीति के संदर्भ में। दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय था *सीमाओं को जोड़ना, पुल बनाना-पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच संबंधों की खोज,* जिसका आयोजन विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग और मौलाना अबुल कलाम आजाद एशियाई अध्ययन संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। मुख्य भाषण देते हुए म्यांमार में व्यापक अनुभव रखने वाले पूर्व राजदूत देवारे ने भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के रणनीतिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने हथियारों की तस्करी और नार्को-आतंकवाद जैसे बाहरी खतरों पर चिंता व्यक्त की, जो उन्होंने कहा कि भारत की *पड़ोसी पहले* नीति के लिए चुनौतियां हैं। देवरे ने कार्यक्रम के दौरान असम

ट्रिब्यून से कहा कि म्यांमार में चल रही अस्थिरता कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना जैसी प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रभावित कर रही है। हालांकि असम सरकार के नेतृत्व वाली पहलों के माध्यम से सराहनीय प्रगति कर रहा है, लेकिन उसे म्यांमार और बांग्लादेश दोनों में होने वाले घटनाक्रमों पर कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। उन्होंने इस क्षेत्र को भारत को दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ने वाले आर्थिक गलियारे के रूप में स्थापित करने के लिए डिजिटल कनेक्टिविटी को बढ़ाने, मेडिकल टूरिज्म को बढ़ावा देने और शैक्षणिक केंद्रों के विकास की वकालत की। देवारे के अनुसार, लोगों के बीच संबंधों को मजबूत करना और बुनियादी ढांचे का विकास पूर्वोत्तर भारत को एक प्रमुख आर्थिक प्रवेश द्वार में बदलने में महत्वपूर्ण होगा। इस सेमिनार में कई प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं ने भाग लिया। प्रमुख वक्ताओं में जादवपुर विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर प्रो. त्रिदिब चक्रवर्ती और विलियम कैरी विश्वविद्यालय, मेघालय की कुलपति प्रो. सोमा भौमिक शामिल थे। असम विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के संस्थापक संकाय सदस्य प्रो. देबाशीष भट्टाचार्य मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अन्य उपस्थित लोगों में राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो. देबोतोष चक्रवर्ती और इतिहास विभाग के प्रो. प्रोजित कुमार पालित के साथ-साथ माका आईएएस के प्रतिनिधि शामिल थे। सेमिनार में कई तकनीकी सत्र शामिल थे, जिसमें एक्ट ईस्ट पॉलिसी, पूर्वोत्तर भारत की आंतरिक चुनौतियों और सीमा पार सहयोग जैसे विषयों पर 60 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सामाजिक विज्ञान संकाय की डीन और संगोष्ठी समन्वयक प्रोफेसर जोयति भट्टाचार्य ने कहा कि चर्चा में क्षेत्रीय सहयोग की संभावनाओं, दक्षिण एशिया में वर्तमान भू-राजनीतिक चुनौतियों और पूर्वोत्तर भारत के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के लिए नीति-संचालित समाधानों पर चर्चा की गई। संगोष्ठी का समापन सक्रिय नीति निर्माण, क्षेत्रीय विकास की रणनीतिक निगरानी तथा असम और व्यापक पूर्वोत्तर के लिए दीर्घकालिक स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए पड़ोसी देशों के साथ सतत सहयोग के आह्वान के साथ हुआ।

मानस राष्ट्रीय उद्यान में विशालकाय गैंडे ने पर्यटक वाहन को रोका

गुवाहाटी। मानस राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटकों के एक समूह का एक विशालकाय गैंडे से सामना हो गया, जब बांसबाड़ी रेंज में उस जानवर ने उनके वाहन को रोक दिया। इस अप्रत्याशित मुठभेड़ से पर्यटक घबरा गए, क्योंकि कुछ देर के लिए वे वन्यजीव अभयारण्य में फंस गए।

गैंडा कुछ देर तक उनके रास्ते में खड़ा रहा, फिर आखिरकार दूर चला गया, जिससे वाहन सुरक्षित रूप से आगे बढ़ सका।

इस नाटकीय क्षण को मानस नेशनल पार्क के पर्यटक गाइड अजीत रॉय ने कैमरे में कैद कर लिया। यह दुर्लभ और रोमांचकारी दृश्य मानस की अदम्य सुंदरता को उजागर करता है, जो एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और अपनी समृद्ध जैव विविधता और विविध वन्य जीवन के लिए जाना जाता है।

लगभग 10,000 युवा गुवाहाटी में बागुरुम्बा और बर्दवी सिखला का प्रदर्शन करेंगे : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को घोषणा की कि बोड़ो समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए लगभग 8,000 से 10,000 युवा अक्तूबर में सरुसजाई स्टेडियम, गुवाहाटी में बागुरुम्बा और बर्दवी सिखला का प्रदर्शन करेंगे। यह घोषणा कोकराझाड़ जिले के डोटमा स्थित बोडोफा फवथार में ऑल बोड़ो स्टूडेंट्स यूनियन (एबीएसयू) के 57वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान की गई। शर्मा ने कहा कि इस वर्ष, अक्तूबर के महीने में, लगभग 8,000 से 10,000 युवा गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में बागुरुम्बा और बर्दवी सिखला का प्रदर्शन करेंगे। शिक्षा क्षेत्र में सरकार की पहलों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 15 अप्रैल से पहले कोकराझाड़ विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। इसके अतिरिक्त, सरकार उदालगुड़ी में बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय का एक नया परिसर स्थापित करने की योजना बना रही है और तीन वर्षों के भीतर एक नया मेडिकल कॉलेज भी स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने 15 अप्रैल से पहले कोकराझाड़ विश्वविद्यालय, बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय का एक नया परिसर और उदालगुड़ी में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का संकल्प लिया है। शर्मा ने आगे घोषणा की कि बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में 35 बोड़ो हाई स्कूलों को क्षेत्र के शिक्षा क्षेत्र को बढ़ाने के लिए मॉडल हाई स्कूलों में अपग्रेड किया जाएगा। बुनियादी ढांचे के विकास के संबंध में मुख्यमंत्री ने नई गेलेफू-कोकराझार रेलवे लाइन के बारे में आशा व्यक्त की तथा कहा कि इससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। यह सम्मेलन काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि 2020 बोड़ो समझौते के बाद बीटीआर में शांति और विकास के प्रयास जारी हैं। शर्मा ने कहा कि हम चाहते हैं कि बोड़ो समझौते को सही तरीके से लागू किया जाए। बोड़ो शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद से 81 नए गांवों को बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) में शामिल किया गया है।

चराइदेव में सड़क हादसे में युवक की मौके पर मौत

चराइदेव (हिंस)। असम के चराइदेव जिले के मथुरापुर में एक भयावह सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह हादसा बिचानगर में हुआ, जहां तेज रफ्तार वाहन ने नियंत्रण खोकर एक बाइक को टक्कर मार दी। मृतक युवक की पहचान 23 वर्षीय जयंत कुर्मी के रूप में हुई है। हादसे में कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें चराइदेव जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। दुर्घटना में शामिल वाहन (एएस- 04 एएच 1873) चराइदेव जिला संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक का बताया जा रहा है।

सुरक्षा बलों की 3900 किलोमीटर लंबी मोटरसाइकिल रैली असम से होकर गुजरी

गुवाहाटी। सशस्त्र बलों द्वारा निकाली गई 3,900 किलोमीटर लंबी मोटरसाइकिल रैली रविवार को असम के गुवाहाटी से पश्चिम बंगाल के लिए रवाना हुई। अरुणाचल प्रदेश के चांगलांग जिले में रणनीतिक रूप से स्थित विजयनगर से 10 मार्च को रवाना हुई मोटरसाइकिल रैली *शौर्य यात्रा* गुजरात के कच्छ के रण में समाप्त होगी। रैली के यहां पहुंचने के बाद गुवाहाटी में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। असम राइफल्स के प्रवक्ता ने कहा कि इसके हिस्से के रूप में, रैली के प्रतिभागियों ने पूर्व सैनिकों से बातचीत की, जिन्होंने अपनी दिल की कहानियां साझा कीं। उन्होंने कहा कि बाइक रैली के प्रतिभागियों ने पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया। प्रवक्ता ने कहा कि रैली अब पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के लिए रवाना हो गई है और अपनी यात्रा जारी रखे हुए है। शनिवार को नागालैंड के डिमापुर में रंगापहाड़ सैन्य स्टेशन पर 3 कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल अभिजीत एस पेंढारकर ने इसे औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाई। रैली का समापन 23 मार्च को गुजरात के कच्छ के रण में होगा। भारतीय सेना, असम राइफल्स और अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय लोगों के कुल 12 मोटरसाइकिल सवार उत्साही इस रैली में भाग ले रहे हैं। बाइकर्स स्कूली बच्चों से भी बातचीत करेंगे और उन्हें भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करेंगे। *एक भारत, श्रेष्ठ भारत* थीम के तहत आयोजित इस रैली का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना और सशस्त्र बलों के बलिदानों का सम्मान करना है, साथ ही एकता, साहस और राष्ट्रीय गौरव का संदेश देना है।

दस हजार हिमंत भी गोरव गोगोई को नहीं डरा सकते : पवन खेड़ा

गुवाहाटी /नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने रविवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भाजपा नेता को याद रखना चाहिए कि उनके कार्यकाल की अवधि *सीमित* है। खेड़ा की यह टिप्पणी असम कांग्रेस के प्रवक्ता रीतम सिंह की गिरफ्तारी के जवाब में आई है, जिसने एक भयंकर राजनीतिक विवाद को जन्म दिया है। खेड़ा ने शर्मा पर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप लगाते हुए दावा किया कि असम के सीएम कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई से *डर गए* हैं। खेड़ा ने कहा कि यह हमें याद दिलाता है कि कैसे कांग्रेस के नेताओं, जिनमें मैं भी शामिल हूं, को असम पुलिस के हाथों नुकसान उठाना पड़ा है। सीएम को यह नहीं भूलना चाहिए कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके दिन गिने-चुने रह गए हैं। इसके विपरीत, उन्होंने घोषणा की, यहां तक कि 10,000 हिमंत भी एक गौरव गोगोई को नहीं डरा सकते। असम पुलिस द्वारा कांग्रेस प्रवक्ता रीतम सिंह को गुवाहाटी में दलित महिला के खिलाफ कथित जाति-आधारित अपमान के मामले में गिरफ्तार किए जाने के बाद विवाद शुरू हो गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गिरफ्तारी की निंदा करते हुए इसे *पुलिस शक्तियों का दुरुपयोग* बताया, जबकि सीएम शर्मा ने कार्रवाई का बचाव करते हुए विस्फोटक खुलासे का संकेत दिया। शर्मा ने चेतावनी देते हुए कहा कि बड़े खुलासे का इंतजार करें। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई के आईएसआई और पाकिस्तान से संबंध हैं। रमेश ने पलटवार करते हुए शर्मा को *निवर्तमान सीएम* कहा और उन पर पुलिस को हथियार बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि वास्तविक मुद्दे से ध्यान हटाना बंद करें- विरोधियों को निशाना बनाने के लिए पुलिस शक्ति का दुरुपयोग करना। इस बीच, खेड़ा ने तेलंगाना सरकार के जाति सर्वेक्षण में विदेशी विशेषज्ञों को शामिल करने के फैसले का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि हम एक वैश्विक वातावरण में रहते हैं। विशेषज्ञता उधार लेते समय भौगोलिक सीमाओं का कोई महत्व नहीं होना चाहिए। उन्होंने भाजपा को चुनौती दी कि वह सत्ता में अपने तीन कार्यकालों के दौरान कभी भी विदेशी सलाहकारों का उपयोग करने से इनकार करे। भाजपा ने इस कदम की आलोचना करते हुए सवाल उठाया है कि घरेलू नीतिगत निर्णय में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को क्यों शामिल किया जाना चाहिए। असम और तेलंगाना में राजनीतिक तनाव बढ़ने के साथ ही कांग्रेस और भाजपा के बीच लड़ाई कम होने का नाम नहीं ले रही है।

चेगां के कराईखैती में सामुदायिक इफ्तार पार्टी का आयोजन

नगरबेड़ा। बरपेटा जिले के चेंगा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मदरसा हिफजुल उलूम कराईखैती- निरला (कराईखैती बाजार) के परिसर में प्रमुख व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता युवा नेता, चेंगा विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार सोलेमान सिकदर ने आज सामूहिक इफ्तार महफिल का आयोजन किया। इफ्तार पार्टी की पूर्व संध्या पर विश्व शांति बनाए रखने के लिए एक सामूहिक जुलूस आयोजित किया जाता है। इफ्तार पार्टी के अंत में युवा नेता और सामाजिक कार्यकर्ता सुलेमान सिकदर ने पत्रकारों से कहा कि करमा सुत्र में वह कराईखैती के बाहर कामरूप के नगरबेड़ा में रुके हैं, इसलिए इस बार उन्होंने अपने पैतृक गांव में इफ्तार पार्टियों का आयोजन किया और कहा कि इफ्तार पार्टी कार्यक्रम में समाज के अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों को आमंत्रित किया गया था और ऐसे में लोगों ने भी प्रतिक्रिया दी। इफ्तार पार्टी में मलिम उद्दीन, अजीजुल हक, नुरुल इस्लाम, मोहिबुल इस्लाम, नजमुल हक सिकदर और रकीबुल इस्लाम के साथ गांव के बड़े संख्या में लोगों ने इफ्तार पार्टी में मदद की। गौरतलब है कि रमजान माह के मौके पर इफ्तार पार्टी का आयोजन करने वाले युवा नेता और सामाजिक कार्यकर्ता सोलेमन सिकदार को मौजूदा लोग ने धन्यवाद दिया हैं।

राज्यपाल ने राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा प्रबंधन पर संगोष्ठी के समापन समारोह में भाग लिया

गुवाहाटी। राष्ट्रीय सुरक्षा और सीमा प्रबंधन के लिए कानूनी रूपरेखा नामक संगोष्ठी के समापन समारोह में भाग लिया। श्रीमंत चेतना मंच पूर्वोत्तर और अधिवक्ता परिषद असम प्रांत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस संगोष्ठी में सीमा सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों और प्रभावी सीमा प्रबंधन के लिए आवश्यक कानूनी ढांचे पर ध्यान केंद्रित किया गया। अपने संबोधन में राज्यपाल आचार्य ने कहा कि सत्य और न्याय के मूल्य देश की सीमाओं की सुरक्षा और राष्ट्र की समृद्धि सुनिश्चित करने के महत्व के साथ प्रतिध्वनित होते हैं। आचार्य ने कहा कि सेमिनार में भारत के सशक्तीकरण में योगदान देने के लिए चर्चा की गई और निस्संदेह इससे नए और अभिनव विचार उत्पन्न होंगे जो सुरक्षा के प्रति हमारे दृष्टिकोण को आकार देंगे। उन्होंने संगोष्ठी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत का *विकसित भारत* का दृष्टिकोण और संविधान के 75 वर्ष पूरे होने का स्मरणोत्सव सीमा सुरक्षा पर चर्चा के लिए एक आदर्श पृष्ठभूमि प्रदान करता है। राज्यपाल ने दोहराया कि भारत की सीमाएं देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सीमा कानूनों को संहिताबद्ध करने के लिए

एक व्यापक कानूनी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया तथा इस बात पर बल दिया कि सीमा प्रबंधन को मजबूत करने का प्रयास राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का हवाला देते हुए राज्यपाल श्री आचार्य ने कहा कि भारत की सीमा सुरक्षा केवल भौतिक रक्षा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय समुदायों की चिंताओं का समाधान भी इसमें शामिल है। उन्होंने नए लागू किए गए कानूनों-भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के महत्व पर बल दिया, जिनका उद्देश्य औपनिवेशिक विरासत को खत्म करना और आत्मनिर्भर भारत के लिए मंच तैयार करना है। आचार्य ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा पूर्वोत्तर पर विशेष ध्यान दिए जाने, क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को मान्यता दिए जाने तथा वैश्विक स्तर पर इसकी स्थिति को ऊंचा उठाने की भी सराहना की। उन्होंने कई परिवर्तनकारी पहलों का हवाला दिया, जिनमें चराइदेव मैदाम को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता देना भी शामिल है। ये प्रयास असम और पूर्वोत्तर के लिए गौरव और पहचान की नई भावना पैदा करने में योगदान दे रहे हैं। राज्यपाल ने पूर्वोत्तर के सीमावर्ती क्षेत्रों पर अधिक ध्यान देने का आह्वान किया, क्योंकि उनका सामरिक महत्व है, क्योंकि उनकी सीमा बांग्लादेश, भूटान, चीन और म्यांमार के साथ लगती है। उन्होंने सीमा सुरक्षा को मजबूत करने और क्षेत्रीय स्थिरता बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस कार्यक्रम में सातवें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता, सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी प्रदीप कुमार, सीमांत चेतना मंच, पूर्वोत्तर, असम प्रदेश के अध्यक्ष डॉ. बिनीता भगवती, उपाध्यक्ष, अधिवक्ता परिषद, असम प्रांत, बंकिम शर्मा। सेमिनार में कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया।

अनुचित जुर्माने के खिलाफ धुबड़ी के दुकानदारों ने किया प्रदर्शन

धुबड़ी। असम के धुबड़ी में रविवार 16 मार्च को स्थानीय दुकानदारों ने श्रम विभाग के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया और अधिकारियों पर दुकान बंद करने के नियमों को अनुचित तरीके से लागू करने का आरोप लगाया। कथित तौर पर अधिकारी रविवार को घोषित स्थानीय अवकाश का हवाला देते हुए छोटे व्यवसायों को बंद कराने के लिए आये थे। हालांकि, व्यापारियों ने भेदभावपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया, उनका दावा है कि उन्हें अपनी दुकानें बंद करने के लिए मजबूर किया गया, जबकि प्रमुख शॉपिंग मॉल को बिना किसी प्रतिबंध के काम करने की अनुमति दी गई। दुकानदारों ने तर्क दिया कि इस चुनिंदा प्रवर्तन ने बड़े वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को लाभ पहुंचाया जबकि छोटे व्यवसायों को नुकसान पहुंचाया। निराशा व्यक्त करते हुए, एक प्रदर्शनकारी व्यापारी ने कहा कि यह दोहरा मापदंड क्यों? अधिकारी बड़े मॉल को अनदेखा करते हैं क्योंकि उन्हें मोटी रिश्वत मिलती है, लेकिन हमारे जैसे छोटे दुकानदारों को निशाना बनाते हैं। एक अन्य दुकानदार ने इस तरह की कार्रवाइयों के कारण होने वाले आर्थिक तनाव पर जोर दिया, खासकर चल रहे त्योहारी सीजन के दौरान। अगर हम अभी नहीं खुलेंगे, तो हम कब व्यापार करेंगे? उन्होंने सवाल किया। विरोध-प्रदर्शन ने अधिकारियों से निष्पक्ष व्यवहार और पारदर्शिता की मांग को तेज कर दिया है। अभी तक आरोपों के बारे में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की गई है।

जेसीआई और लायंस क्लब बरपेटारोड की अनूठी पहल, रंगोत्सव में दिखी भाईचारे की झलक

बरपेटारोड (विभास)। रंगों का पावन पर्व होली इस बार बरपेटारोड में एकता और सौहार्द्र का संदेश लेकर आया। जेसीआई बरपेटारोड और लायंस क्लब ऑफ बरपेटारोड के संयुक्त प्रयास से आयोजित *रंगोत्सव-रंगों का महापर्व* ने पूरे नगर में खुशियों की बहार ला दी। यह भव्य आयोजन लायंस क्लब परिसर में आज प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक उल्लास और उमंग के साथ संपन्न हुआ। यह रंगोत्सव जेसी राधिका मोर (जेसीआई बरपेटारोड की अध्यक्ष) और लायन राजीव माहेश्वरी (लायंस क्लब ऑफ बरपेटारोड के अध्यक्ष) के अध्यक्षता में आयोजित किया गया। यह आयोजन केवल रंगों और आनंद का उत्सव नहीं था, बल्कि इसने सामाजिक एकता, सौहार्द्र और प्रेम का भी संदेश दिया। दोनों संगठनों ने मिलकर यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि जब एकता और सहयोग साथ हो, तो हर आयोजन यादगार बन जाता है। कार्यक्रम को अत्यंत सुसज्जित और मर्यादित ढंग से आयोजित किया गया, जिससे सभी उपस्थित लोगों को एक उत्कृष्ट अनुभव प्राप्त हुआ। उपस्थित लोगों एवं सदस्यों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और इस पर्व की सच्ची भावना को आत्मसात किया। कार्यक्रम के दौरान संगीत और नृत्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। डीजे वायरस की धुनों पर सभी ने झूमकर रंगों की मस्ती का आनंद लिया। रंग-बिरंगे वातावरण में हर कोई उल्लास और उमंग से भर गया। इसके साथ ही, स्वादिष्ट व्यंजनों की विशेष व्यवस्था ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया। अनगिनत रंग, मधुर संगीत और स्वादिष्ट पकवानों के साथ यह उत्सव सभी के लिए अविस्मरणीय बन गया। इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि जेसीआई बरपेटारोड और लायंस क्लब ऑफ बरपेटारोड ने एकजुट होकर इसे सफल बनाया। इस एकता ने यह संदेश दिया कि जब सामाजिक संगठन साथ मिलकर कार्य करते हैं, तो न केवल आयोजन भव्य बनता है, बल्कि समाज में भाईचारे और प्रेम की भावना भी मजबूत होती है। इसी के साथ, यह संकल्प लिया गया कि भविष्य में भी दोनों संगठन एकजुट होकर ऐसे ही भव्य और प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में दोनों संगठनों के सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा। सभी सदस्यों ने अपनी मेहनत और समर्पण से इस उत्सव को अविस्मरणीय बना दिया। उनके सहयोग और योगदान के बिना यह आयोजन इतना शानदार नहीं हो पाता। कार्यक्रम के समापन पर जेसीआई बरपेटारोड एवं लायंस क्लब बरपेटारोड की सचिव जेसी आयुषी केडिया और लायन कुसुम मोर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया और सभी सदस्यों, सहयोगियों व उपस्थित लोगों का हृदय से आभार व्यक्त किया, जिनकी भागीदारी और सहयोग से यह आयोजन सफल रहा। *रंगोत्सव* ने सभी के मन में खुशियों और प्रेम के रंग छोड़ दिए और यह संदेश दिया कि होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने का एक सुंदर माध्यम है।

बंगाईगांव में पूप्रमायुमं का 17वां प्रांतीय अधिवेशन आज से

अध्यक्ष पद के लिए दो उम्मीदवार मैदान में

बंगाईगांव। मारवाड़ी युवा मंच, बंगाईगांव शाखा एवं जागृति शाखा के आतिथ्य में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच का 17वां प्रांतीय अधिवेशन आगामी 18 मार्च से 20 मार्च तक होटल जाह्नवी के प्रांगण में आयोजित होने जा रहा है जिसकी तैयारीयां आयोजित शाखा की ओर से पूरी कर ली गई है। अधिवेशन को सफल करने के लिए बंगाईगांव समाज के स्तंभ प्रेमनाथ हरलालका को स्वागत अध्यक्ष, निर्मल बैद को कार्यकारी स्वागत अध्यक्ष, सरजीत सिंह भारी को स्वागत मंत्री, धर्मेंद्र लुनिया को स्वागत कोषाध्यक्ष बनाकर एक सशक्त समिति का गठन किया गया है। अधिवेशन के प्रथम दिन 18 मार्च को विषय निर्वाचनी समिति की बैठक, प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक, प्रांतीय सभा एवं चुनाव संपन्न होंगे। ज्ञात होगी कि अध्यक्ष पद के लिए इस बार सीलापथार शाखा से प्रदीप राठी तथा नॉर्थ लखीमपुर शाखा से राज चौधरी उम्मीदवार के रूप में खड़े हैं। मतदान के परिणाम उसी दिन रात को घोषित होंगे। कार्यक्रम के दूसरे दिन 19 मार्च को विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा जिसमें उद्घाटन एवं अलंकरण समारोह, प्रेरणा सत्र में श्रीमती मोनिका सिंघल का प्रेरणादायक उद्बोधन, सामाजिक सद्भावना सत्र, प्रतिनिधि सभा तथा शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। उद्घाटन समारोह में असम सरकार के कैबिनेट मंत्री

रंजीत दास मुख्य अतिथि के रूप में तथा माननीय सांसद फनी भूषण चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। अधिवेशन के अंतिम दिन 20 मार्च को रंगारंग सद्भावना रैली, उन्मुक्त सत्र, नवनियुक्त अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारीयों का शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा। अंतिम दिन अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश एम जैन की गरिमामय उपस्थित रहेगी। शाखा अध्यक्ष पीयूष सुराणा तथा जागृत शाखा की अध्यक्षा संजू भंसाली के अगुवाई में युवा मंच के सभी कार्यकर्ता अधिवेशन को सफल करने के लिए तन मन से मेहनत कर रहे हैं। शाखा मंत्री धीरज शर्मा तथा जागृत शाखा मंत्री नीलम अग्रवाल अपनी पूरी टीम के साथ जोर-शोर से अधिवेशन को सफल करने में लगे हुए हैं। इस अधिवेशन को लेकर बंगाईगांव मारवाड़ी समाज में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। यह जानकारी प्रचार-प्रसार विभाग के द्वारा दि गई।

ड्रग तस्करी के दो आरोपी गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान चलाते हुए दो ड्रग तस्करी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह कार्रवाई रौवा सेक्टर 2 इलाके में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सदर) दीपज्योति तालुकदार के नेतृत्व में की गई। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोहम्मद अली और साहिदुर रहमान के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से नशीले पदार्थ और हेरोइन के पैकेट बरामद किए हैं। मामले की जांच जारी है।

संपादकीय

कांग्रेस की स्थायी नीति है मुस्लिम तुष्टीकरण

कांग्रेस के लिए मुस्लिम वोटबैंक सर्वोपरि है इसलिए मुस्लिम तुष्टीकरण को उसने अपनी स्थायी नीति बना रखा है। कांग्रेस समय-समय पर अपने प्रिय वोटबैंक को संदेश देने का प्रयास करती है। उसी क्रम में कर्नाटक की कांग्रेस सरकार का हालिया निर्णय है, जिसमें उसने सरकारी ठेकेदारी में मुसलमानों के लिए विशेष आरक्षण किया है। यह एक नये प्रकार का आरक्षण लाकर कांग्रेस ने स्थापित कर दिया है कि वह मुसलमानों को साधने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। अन्यथा सरकारी ठेकेदारी में आरक्षण का प्रावधान का क्या अर्थ है? याद रखें कि कांग्रेस के समय से अन्य पिछड़ा वर्ग में भी मुसलमानों को आरक्षण की सुविधा का लाभ दिया गया है। यह भी एक तरह से पिछड़ा वर्ग समुदायों के हक दूसरों को देने जैसा है। बहरहाल, कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मुस्लिम तुष्टीकरण के इस निर्णय की जमकर आलोचना हो रही है। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस को नये समय की 'मुस्लिम लीग' कह दिया है। याद रखना होगा कि मुस्लिम लीग भी प्रत्येक बात में अलग से मुसलमानों की हिस्सेदारी की माँग करती थी। मुस्लिम वर्ग को अलग महत्व देने का ही परिणाम था कि एक वर्ग में अलग देश की बात घर कर गई और परिणाम देश के विभाजन के रूप में सामने आया। प्रगत सोच का मुस्लिम समुदाय भी कांग्रेस की इस तरह की तुष्टीकरण नीति का समर्थक नहीं है। वह समाज में एक जैसा दिखना चाहता है लेकिन कांग्रेस की नीतियां एवं निर्णय उसे विशेष पहचान देने का प्रयास करते हैं। कर्नाटक में 13 प्रतिशत से अधिक मुस्लिम जनसंख्या है, जिसे साधने का प्रयास मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने किया है। कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता में अवश्य आ गई लेकिन उसकी नीतियों के कारण वह जल्द ही जनता के बीच अप्रासंगिक होने लगी है। कांग्रेस को भी भय है और राजनीतिक विश्लेषक भी मानकर चल रहे हैं कि अगले चुनाव में कांग्रेस एक बार फिर सत्ता से बाहर हो जाएगी। संभव है कि इस बार कांग्रेस को और अधिक नुकसान हो। संभवतः यही कारण है कि कांग्रेस राज्य के 13 प्रतिशत जनसंख्या के वोटबैंक को अपने पक्ष में सुनिश्चित करना चाह रही हो। यह तो जगजाहित तथ्य है कि मुस्लिम समाज रणनीतिक मतदान करता है। जो भी राजनीतिक दल या प्रत्याशी भाजपा को हराने में सक्षम दिखायी देता है, मुस्लिम समुदाय उसी को वोट करता है। इधर, कुछ वर्षों में मुस्लिम मतदाता कांग्रेस से छिटक कर स्थानीय राजनीतिक दलों के पाले में चला गया है। इसलिए भी कांग्रेस अपने वोटबैंक को वापस पाने के लिए अतिरिक्त तुष्टीकरण करती दिखायी दे रही है। संविधान के जानकार भी कर्नाटक सरकार के इस निर्णय को विधि एवं संविधान सम्मत नहीं मान रहे हैं। भाजपा के नेताओं की ओर से कहा जा रहा है कि वे इस असंवैधानिक निर्णय को रुकवाने के लिए न्यायालय की शरण में जाएंगे। देखना होगा कि आगे चलकर मुस्लिम तुष्टीकरण का यह निर्णय लागू हो पाता है या फिर न्यायालय में जाकर अटक जाएगा। फिलहाल तो संपूर्ण देश की जनता में यही संदेश गया है कि कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की अपनी नीति पर मजबूती के साथ अड़ी हुई है।

> कांग्रेस समय–समय पर अपने प्रिय वोटबैंक को संदेश देने का प्रयास करती है। उसी क्रम में कर्नाटक की कांग्रेस सरकार का हालिया निर्णय है, जिसमें उसने सरकारी ठेकेदारी में मुसलमानों के लिए विशेष आरक्षण किया है। यह एक नये प्रकार का आरक्षण लाकर कांग्रेस ने स्थापित कर दिया है कि वह मुसलमानों को साधने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। अन्यथा सरकारी ठेकेदारी में आरक्षण का प्रावधान का क्या अर्थ है? याद रखें कि कांग्रेस के समय से अन्य पिछड़ा वर्ग में भी मुसलमानों को आरक्षण की सुविधा का लाभ दिया गया है। यह भी एक तरह से पिछड़ा वर्ग समुदायों के हक दूसरों को देने जैसा है। बहरहाल, कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के मुस्लिम तुष्टीकरण के इस निर्णय की जमकर आलोचना हो रही है। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस को नये समय की 'मुस्लिम लीग' कह दिया है। याद रखना होगा कि मुस्लिम लीग भी प्रत्येक बात में अलग से मुसलमानों की हिस्सेदारी की माँग करती थी। मुस्लिम वर्ग को अलग महत्व देने का ही परिणाम था कि एक वर्ग में अलग देश की बात घर कर गई और परिणाम देश के विभाजन के रूप में सामने आया।

हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के बहाव को सुनिश्चित करना होगा

नदियों को विवाद नहीं, विकास का माध्यम बनाये

ललित गर्ग

> नदियों के समक्ष आने वाले खतरों, जैसे प्रदूषण, आवास की क्षति और जल संसाधनों के अत्यधिक दोहन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये हर साल 14 मार्च को, 'नदियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस' मनाया जाता है, जो नदियों और उनके संरक्षण के लिए एक वैश्विक मंच है, ताकि नदियों और समुदायों की एकजुटता बढ़ाई जा सके और नदियों के महत्व के बारे में जागरूकता लाई जा सके। इस दिवस की 2025 की थीम 'हमारी नदियाँ, हमारा भविष्य' है। इस दिवस की शुरुआत 14 मार्च 1997 को कुर्टिबा, ब्राजील में बांधों से प्रभावित लोगों की पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक में हुई थी। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों के समक्ष आने वाले खतरों, जैसे प्रदूषण, आवास की क्षति और जल संसाधनों के अत्यधिक दोहन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये हर साल 14 मार्च को, 'नदियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई दिवस' मनाया जाता है, जो नदियों और उनके संरक्षण के लिए एक वैश्विक मंच है, ताकि नदियों और समुदायों की एकजुटता बढ़ाई जा सके और नदियों के महत्व के बारे में जागरूकता लाई जा सके। इस दिवस की 2025 की थीम 'हमारी नदियाँ, हमारा भविष्य' है। इस दिवस की शुरुआत 14 मार्च 1997 को कुर्टिबा, ब्राजील में बांधों से प्रभावित लोगों की पहली अंतर्राष्ट्रीय बैठक में हुई थी। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। बढ़ते नदियों के प्रदूषण को रोकने के लिये उनमें को अपशिष्ट या सीवेज, कारखानों से निकलने वाले तेल, कैमिकल, धुंआ, गैस, एसिड, कीचड़, कचरा, रंग को डालने से रोकना होना, हमने जीवनदायिनी नदियों को अपने लोभ, स्वार्थ, लापरवाही के कारण जहरीला बना दिया है। दुनियाभर में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश एवं दुनिया के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। नदियों को विवाद बना दिया है, आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक मानवीय हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये। जीवन में श्रेष्ठ वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त दे रखी हैं- पानी, हवा और प्यार। और आज वे ही विवादग्रस्त, दूषित और झूठी हो गईं।

नदियों के लिए 28वें अंतर्राष्ट्रीय कार्य दिवस पर ताजा पानी उपलब्ध कराने, जैव विविधता को बढ़ावा देने से लेकर जलवायु को नियंत्रित करने और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने तक स्वस्थ, निर्मल एवं पवित्र मुक्त बहने वाली नदियाँ इंसानी जीवन के साथ प्रकृति, कृषि के लिये महत्वपूर्ण हैं। यह दिन व्यक्तियों और संगठनों को नदी संरक्षण की दिशा में कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करता है। वर्तमान में भारत सहित दुनिया की तमाम नदियां संकट के दौर से गुजर रही हैं। नदियों के सामने जहां प्रदूषण व अतिक्रमण जैसी भयावह चुनौतियां खड़ी हैं, वहीं

उनमें निरंतर घट रही पानी की मात्रा भी गंभीर चिंता में डालने वाला है। कस्बों व शहरों के घरेलू, औद्योगिक कचरे एवं गन्दगी के बहिस्राव के कारण नदियों ने गंदे नाले का रूप लेना प्रारंभ कर दिया है। सैकड़ों बरसाती नदियां बहुत पहले ही अपना अस्तित्व खो चुकी हैं। आज जब नदियां प्रदूषित हो रही हैं तो किनारे बसा समाज भी उस प्रदूषण के असर से बच नहीं पा रहा है। हमारी कृषि व्यवस्था का कुछ हिस्सा भी उससे प्रभावित हो रहा है। आज गंदे पानी को नदी जल से अलग रखने के विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। इस गंदे पानी को उपचारित करके उसे कृषि कार्यों व उद्योगों में उपयोग में लाया जा सकता है। हमारी जिन नदियों ने नालों का रूप धारण कर लिया है, उन्हें पुनः नदी बनाने की जरूरत है, नदियों के प्रति मित्रवत व्यवहार रखना तथा उनकी चिंता करना जरूरी है। समूची दुनिया में पीने का शुद्ध पानी एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। पानी अत्यधिक जहरीला हो चुका है। इस कारण पीने के पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है। इस दिवस का मुख्य उद्देश्य वैश्विक स्तर पर नदी प्रबंधन, नदी प्रदूषण और नदी संरक्षण से संबंधित मुद्दों को संबोधित करके विश्व स्तर पर लोगों को नदियों को बचाने के बारे में बात करने के लिए अग्रसर करना एवं उनमें जागरूकता पैदा करना है। नदियाँ भी अत्यधिक ख़तरे में हैं, विश्व की 10 प्रतिशत से भी कम नदियां सुरक्षित हैं। इस दिवस की उपयोगिता एवं सार्थकता तभी है जब हम नदियों की रक्षा में अग्रणी समुदायों और नागरिक समाज के आंदोलनों को मजबूत करें। मजबूत डेटा और साक्ष्य उत्पन्न करने के लिए खोजी अनुसंधान को बल दे। विनाशकारी परियोजनाओं का पर्दाफाश करने और उनका विरोध करने के अभियानों को स्वतंत्र और निडर बनाये। इस दिवस के माध्यम से एक ऐसी दृष्टि विकसित करना जो नदियों और उन पर निर्भर समुदायों की रक्षा करे। अगर इस ग्रह पर कोई जादू है तो वह पानी में है। यह हमें अपनी अर्थव्यवस्था के एक हिस्से के रूप में व्यापार और वाणिज्य के लिए सस्ता और कुशल अंतर्देशीय परिवहन भी प्रदान करता है। यह पृथ्वी पर सबसे विविध और लुप्तप्राय वन्यजीवों में से कुछ का घर भी है। भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है लेकिन दुर्भाग्य से प्रदूषण एक बड़ी समस्या है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं। हमें अपनी नदियों को 2047 तक निर्मल व अविरल बनाने के संकल्पित लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना होगा। भारत की नदियों की दिन-ब-दिन बिगड़ती हालत एवं बढ़ते प्रदूषण पर पिछले चार दशकों से लगभग हर सरकार कोरी राजनीति कर रही है, प्रदूषणमुक्त नदियों का कोई ईमानदार प्रयास होता हुआ दिखाई नहीं दिया है। नदियां हमारे जीवन की जीवन रेखा है, गति है, ताकत है। ये पानी, बिजली, परिवहन, मछली और मनोरंजन के लिए स्रोत हैं। नदियां पर्यावरण के लिए भी बहुत फ़ायदेमंद हैं। नदियों के किनारे बसे शहरों की वजह से ये आर्थिक रूप से भी अहम हैं, इनसे ताज़ा पीने का पानी मिलता है, बिजली बनती है, खेती के लिए ज़रूरी उपजाऊ मिट्टी मिलती है। नदियों से जल परिवहन होता है। घरेलू और औद्योगिक गंदा पानी बहकर जाता है, जलवायु नियंत्रण में मदद करती हैं। नदियां प्राकृतिक संपदा हैं। नदियां आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर का भी प्रमुख स्रोत हैं, जिनके किनारे कई महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल हैं। नदियों के किनारे ही कई प्रमुख शहर, शैक्षिक और पर्यटन से जुड़े शहर बसे हैं। नदियों की साफ-सफाई के नाम पर कई हजार करोड़ रुपए बहा दिए गए हैं, लेकिन लगता है सब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये।

दृष्टि कोण

महिला पुरस्कारों की गरिमा और निष्पक्षता पर उठते प्रश्न

हाल ही हरियाणा में महिला दिवस पर विवादित महिला का मुख्यमंत्री से सम्मान मामले ने गहरे प्रश्न सबके सामने रख दिए है। कई वर्षों से, महिला पुरस्कार मान्यता के चमकदार प्रतीक के रूप में खड़े हैं, जो उन क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों को उजागर करते हैं जहाँ उन्हें अक्सर दरकिनार कर दिया जाता है। ये सम्मान सिर्फ़ समावेशन के लिए एक प्रेरणा से कहीं ज़्यादा है; इनका उद्देश्य ऐसे समाज में उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करना है जो अक्सर महिलाओं के योगदान को अनदेखा करता था। हालाँकि, राजनीतिक प्रभावों और बदलते सांस्कृतिक दृष्टिकोणों से चुनौती के कारण इन पुरस्कारों की अखंडता अब जोखिम में है। महिला पुरस्कारों का भविष्य समाज की निष्पक्षता, मान्यता और समावेशिता के बीच संतुलन खोजने की क्षमता पर निर्भर करता है। ऐसे में ये महत्त्वपूर्ण है कि हम आगे चलकर महिला उपलब्धियों का सम्मान कैसे करते हैं। महिला पुरस्कारों ने ऐतिहासिक रूप से विभिन्न क्षेत्रों में महिला उपलब्धियों को स्वीकार करने और सम्मानित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चाहे साहित्य, विज्ञान, खेल या फ़िल्म हो, इन पुरस्कारों ने उन क्षेत्रों में आवश्यक मान्यता प्रदान की है जहाँ महिलाओं को अक्सर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हालाँकि, हमारे तेज़ी से बदलते सामाजिक और राजनीतिक माहौल में, इन पुरस्कारों का महत्त्व और आवश्यकता जांच के दायरे में आ रही है। अतीत में, महिला पुरस्कार उन क्षेत्रों में उत्कृष्टता की कड़ी मेहनत से स्वीकारोक्ति का प्रतिनिधित्व करते थे, जहाँ अक्सर महिला प्रतिभा को अनदेखा किया जाता था। वे सिर्फ़ समावेश के प्रतीक नहीं थे, बल्कि लचीलेपन, दृढ़ संकल्प और अग्रणी सफलता के प्रतीक थे। हालाँकि, आज, इन पुरस्कारों की अखंडता खोने का जोखिम है-महिलाओं की उपलब्धियों में गिरावट के कारण नहीं, बल्कि इसलिए कि उनकी मान्यता का मूल अर्थ धुंधला, राजनीतिकरण या पूरी तरह से खारिज हो रहा है। ऐसे समय में जब समावेशिता को अपनाने का दावा किया जाता है, महिला पुरस्कारों का अनूठा उद्देश्य उल्टा जोखिम में है। कुछ लोग तर्क देते हैं कि समानता के उद्देश्य वाले समाज में लिंग-विशिष्ट पुरस्कार अब मौजूद नहीं होने चाहिए। लेकिन क्या सच्ची समानता उन मंचों को ख़त्म करने से आती है जो कभी महिलाओं की आवाज़ को बुलंद करते थे? समान अवसर बनाने के बजाय, हम एक चिंताजनक प्रवृत्ति देख रहे हैं: महिलाओं के योगदान को सम्मानित करने के लिए डिज़ाइन किए गए पुरस्कारों का मिश्रण, पुनर्उद्देश्य या पूर्ण रूप से हटाना। आज के सांस्कृतिक परिवेश में, जहाँ प्रतिनिधित्व को अक्सर प्राथमिकता दी जाती है, कुछ पुरस्कारों ने सच्ची उपलब्धियों से ध्यान हटाकर केवल दिखावे पर ध्यान केंद्रित किया है। वास्तविक योग्यता का जश्न मनाने के बजाय, चयन समितियाँ राजनीतिक शुद्धता के साथ संरेखित विकल्प चुनने के लिए बाध्य महसूस कर रही हैं, जो पुरस्कारों की अखंडता से समझौता कर सकती हैं। यदि किसी महिला को उसकी असाधारण क्षमताओं के लिए नहीं बल्कि इसलिए सम्मानित किया जाता है क्योंकि वह किसी विशिष्ट कथा में फिट बैठती है, तो क्या वह मान्यता वास्तव में समान महत्त्व रखती है? महिला पुरस्कारों को पुराने प्रतीक या दिखावटीपन के उपकरण नहीं बनने चाहिए। उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की विशिष्ट चुनौतियों और सफलताओं पर प्रकाश डालना जारी रखना चाहिए। इसका उत्तर इन पुरस्कारों के महत्त्व को बढ़ाने में है-यह सुनिश्चित करना कि वे केवल एक प्रतीकात्मक इशारे के बजाय सच्ची उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करते हैं। यदि हम वास्तव में महिलाओं का जश्न मनाना चाहते हैं, तो उनके पुरस्कार केवल औपचारिकता नहीं होने चाहिए। उन्हें प्रतिभा, लचीलेपन और महत्त्वपूर्ण योगदान की सही स्वीकृति के रूप में काम करना चाहिए।

कुछ अलग

बरामदा कैबिनेट की बैठक

आज तोताराम अपनी पत्नी मैना के साथ आया। बड़ी हड़बड़ाहट में था। बैठने से पहले ही बोला- भाभी को जल्दी बुला। हमने पूछा- क्यों, क्या मैना को कोई समस्या आ गई? बोला- समस्या कुछ नहीं। बस, प्रांतीय महत्व के एक काम के लिए तत्काल मीटिंग करनी है और सर्व सम्मति से प्रस्ताव पास करना है। हमने कहा- यहां कोई विपक्ष भी नहीं है और अगर होता भी तो अध्यक्ष से एक ही झटके में 100-150 को एक साथ निलंबित करवा देते और जो करना होता सो कर लेते ।मीटिंग क्या, तू जब कहे, जो प्रस्ताव कहे पास करवा दें ।बरामदा संसद का लंगड़ा ही सही बहुमत अपने पास है तो चुनाव आयोग, न्यायालय, पुलिस, ईडी सब अपनी मुट्ठी में हैं। नहीं होता तो 'ऑपरेशन तोता' चलाकर खरीद लेते। वैसे ऐसा क्या जरूरी काम आ गया? बोला- कल 8 फरवरी को बरामदा संसद के सभी सदस्य कुम्भ में स्नान करेंगे और उसके बाद मंत्री परिषद की बैठक होगी जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। हमने कहा- वैसे तो संसद के सामने कोई एजेंडा नहीं है फिर भी बैठक के लिए वहां जाकर मरने की बजाय यहीं ठीक है। चार कंधे तो मिल जाएंगे। कुम्भ में मरने पर सरकार इमेज बचाए रखने और मुआवजे से बचने के लिए पुलिस से लाश ही गंगा में फिंकवा देगी। बोला- योगी जी ने भी तो अपने मंत्रीमंडल के साथ स्नान किया था और अब भजन जी भी मंडली के साथ कल कुम्भ में स्नान करेंगे। क्या सब मूर्ख है जो वहीं स्नान-ध्यान, काम-करम कर रहे हैं। हमने कहा- हो सकता है कोई बड़ा पाप धोने के लिए गए हों जो उन्हें रातों को डराता हो, सोने नहीं देता हो। हमने कोई पाप नहीं कर रखा जिसे धोने के लिए आज ही कुम्भ स्नान करना पड़े। पहले पाप करने के लिए कोई पद तो मिले फिर धोने के लिए कुम्भ में भी चले चलेंगे। बोला- क्या कुम्भ में जाने वाले सभी पापी होते हैं? कुम्भ में तो अंबानी, अदानी, शाह, स्टीव जॉब्स की पत्नी, शाहरुख, सलमान, अमिताभ, आलिया भट्ट, रणवीर, विराट कोहली, रोनाल्डो, मैसी आदि तो गए हैं तो क्या सब पापी हैं? और कुम्भ में तो नेहरू जी भी गए थे तो क्या वे भी पापी थे? हमने कहा- हम यह नहीं कह रहे लेकिन नेहरू जी कुम्भ स्नान करने नहीं बल्कि वहां की व्यवस्था देखने गए थे। उसके बाद भगदड़ वाली दुर्घटना होने पर उन्होंने संसद में उस पर चर्चा की और भविष्य में नेताओं को मेले के समय कुम्भ में जाने से परहेज करने की सलाह भी दी थी। जबकि अब तो विज्ञापन करके लोगों को बुलाया जा रहा है। हजारों करोड़ खर्च करके लाखों करोड़ का सपना देखने दिखाने का धंधा चल रहा है, कुम्भ के बहाने चुनाव की राजनीति की जा रही है। वरना कर्म, सत्कर्म, दुष्कर्म कुछ भी करने के लिए कहीं भी जाने की कोई जरूरत नहीं होती। रैदास के तो कठौते में ही गंगा थी। बोला- तो क्या गंगा, जमुना, हिमालय, प्रकृति, तीज-त्योहार, संस्कृति का कोई मतलब नहीं? हमने कहा- है लेकिन प्रेम और प्रदर्शन में बहुत फ़र्क होता है। जिसके मन में प्रेम नहीं होता वही बाहर बाहर प्रेम का ढिंढोरा पीटता फिरता है, प्रदर्शन करता है। हमारे दादाजी भी रामेश्वरम गए थे 1932 में पैदल लेकिन उनके साथ कोई फोटोग्राफर नहीं था और न ही गांव में आकर भक्ति का नाटक किया। हमारे मामाजी 1965 में पोते की मन्नत मांगने अकेले हरिद्वार से कांवड़ लाए थे लेकिन न किसीने रास्ते में हैलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की और न ही रास्ते में किसी मुसलमान ठेले से फल लेने या किसी की जाति पूछे बिना उसकी गुमटी से चाय पी लेने से उनका धर्म भ्रष्ट हुआ।माल-ए-मुफ़्त दिल-ए-बेरहम। जनता का पैसा है फूंकें तरह तरह के तमाशों में। नेता बनने से पहले ये रईस की दुम एक बनियान को तीन दिन पहना करते थे।

देश दुनीया से

विदेशों में हिन्दू मन्दिरों पर हमले दुर्भाग्यपूर्ण

खालिस्तानी अलगाववादियों से जुड़े कुछ अराजक तत्वों ने एक बार फिर अमेरिका में कैलिफोर्निया स्थित स्वामी नारायण मंदिर पर हमला किया है, हिन्दुओं वापिस भारत जाओ जैसे आपत्तिजनक संदेश लिखकर मंदिर को क्षति पहुंचायी गई है। हिन्दू मन्दिरों एवं आस्था पर बार-बार हो रहे ये हमने दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है। आतंक फैलाने की मंशा से मंदिरों पर हमले की ऐसी घटनाओं का बार-बार होते रहना चिन्ता का सबब है। ऐसे पृथकतावादी तत्व हिंदुओं के खिलाफ विषवमन करके अपनी राजनीति चमकाना चाहते हैं एवं दवाब बनाना चाहते हैं। भारतीय सांझा संस्कृति में मिलजुलकर रहने वाले समाजों को विभाजित करके घृणा, नफरत एवं द्वेष उत्पन्न करने वाले तत्वों को न केवल बेनकाब करने की जरूरत है बल्कि उन्हें नेस्तनाबूंद किया जाना चाहिए। बात केवल खालिस्तानी अलगाववादियों की नहीं है, मुस्लिम आतंकवादी भी विभिन्न देशों में हिन्दू धर्म, मन्दिर, आस्था एवं संस्कृति पर ऐसे ही हमले करके दहशत फैला रहे हैं। हिन्दू समुदाय नफरत के खिलाफ मजबूती से खड़ा है, वह कभी भी नफरत को जड़ नहीं जमाने देंगा। लेकिन अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा सरकारों द्वारा ऐसे मामलों की अनदेखी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई न करना विडम्बनापूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है। भारत सरकार को भी कड़े कदम उठाते हुए सख्त संदेश देना चाहिए। अमेरिका के अलग-अलग राज्यों में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाए जाने को खालिस्तान समर्थकों से जोड़कर देखा जा रहा है। दक्षिण कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स इलाके में स्थित मंदिर की दीवारों पर भारत विरोधी नारे लिखे गए अरैर मन्दिर को क्षति पहुंचाई गयी। माना जा रहा है कि खालिस्तान जनमत संग्रह से पहले साजिश के तहत ये हमला किया गया है। कुछ दिन पहले न्यूयार्क में भी स्वामीनारायण मंदिर पर भी हमला हुआ था। 25 सितंबर को कैलिफोर्निया के सेक्रामेंटो स्थित स्वामीनारायण मंदिर को भी निशाना बनाया गया था, तोड़फोड़ की गई और उस पर आपत्तिजनक संदेश भी लिख दिए गए हैं। आपत्तिजनक यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा में सक्रिय ऐसे तत्वों को इन देशों की सरकारों द्वारा राजनीति के चलते खुला समर्थन देना एवं अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर प्रश्रय दिया जाना बर्दाश्त से बाहर होता जा रहा है, कब तक खामोश रहा जाये? कैलिफोर्निया में स्वामीनारायण मंदिर पर हुई घटना से पहले लंदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर के गाड़ी के सामने खालिस्तान समर्थकों ने प्रदर्शन किया था, जिसे सामान्य घटना नहीं माना जा सकता। जो खालिस्तान समर्थक विदेश मंत्री के काफिले तक कूद गया, वह सुनियोजित ढंग से हमला भी कर सकता था। निश्चित तौर पर यह ब्रिटिश पुलिस की कोताही एवं लापरवाही है। उस समय खालिस्तानी उग्रवादी ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' का भी अपमान किया। विडंबना यह है कि अमेरिका, ब्रिटेन व कनाडा के साथ पाकिस्तान, बांग्लादेश की सरकारें ऐसे हमलों व मंदिरों को अपवित्र करने, उनको नुकसान पहुंचाने, अराजक माहौल खड़ा करने की घटनाओं को अभिव्यक्ति की आजादी के दायरे में रखकर आंखें मूंद लेती हैं या कुछ देश कट्टरतावाद के चलते उन देशों के अल्पसंख्यक समुदायों पर तरह-तरह के हमले होने देती है। यह विडम्बना ही है कि जब दूसरे देशों में उनके धर्म के लोगों के पूजा स्थलों पर हमले होते हैं तो उसे धार्मिक आजादी व मानवाधिकारों का संकट बताने लगते हैं, फिर हिन्दू मन्दिरों एवं आस्था पर हो रहे ऐसे हमलों को लेकर दोहरी मानसिकता एवं दोहरा मापदण्ड क्यों? क्यों भेदभावपूर्ण मानसिकता है? निश्चित रूप से ऐसे ही रवैये से भारत के साथ इन देशों के संबंधों में खटास आती है। ऐसे ही अलगाववादियों के कृकृत्यों व कनाडा सरकार के अलगाववादियों को संरक्षण देने के चलते ही दोनों देशों के संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे हमलों के कारण ही दोनों देशों के संबंध बिगड़ चुके हैं। आतंक से जो जन्मती है, वह संस्कृति नहीं होती है, उसमें पाशविकता होती है, उसमें जानवर विद्यमान होते हैं। ऐसे व्यक्ति, संगठन एवं देश किसी के प्रिय नहीं हो सकते, वे मानवता को त्राण नहीं, संत्रास देते हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस तरह की कुत्सित कोशिशों की तीव्र निंदा एवं भर्त्सना की है, सवाल यह उठता है कि जब ऐसी आजादी किसी सभ्य समाज के अहसासों से खिलवाड़ करे और दूसरों की धार्मिक आजादी का अतिक्रमण करने लगे तो क्या उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करनी चाहिए? दरअसल, ये घटनाक्रम इन देशों के दोगले मापदंड उजागर करते हैं। दूसरे देशों में सांप्रदायिक असहिष्णुता और कथित भेदभाव के आंकड़े जारी करके दबाव बनाने वाले तथाकथित सभ्य देश अपने क्रियाकलापों से बेनकाब हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में करीब एक दर्जन मंदिरों को अपवित्र करने की कुत्सित कोशिश हुई, लेकिन ऐसे तत्वों के खिलाफ दिखावे के लिये भी कार्रवाई नहीं की गई। किसी हमले की जांच भी नहीं हुई। जबकि प्रत्येक संप्रदाय की धार्मिक आजादी की रक्षा करना अमेरिकी सरकार का नैतिक दायित्व है। अमेरिका खुद को धर्मनिरपेक्षतावादी एवं मानवाधिकार का हिमायती मानता है। आखिर अमेरिका जैसे शक्तिसंपन्न राष्ट्र में मंदिरों को सुरक्षा क्यों नहीं मुहैया करायी जाती? बीते साल भी कनाडा में हिंदू महासभा के मंदिर में हमला करके बच्चों व महिलाओं तक को पीटा गया था। लेकिन ट्रूडो सरकार खामोश रही। लेकिन जैसी करनी वैसी भरनी की कहावत के अनुसार ट्रूडो सरकार बिखर गयी, धराशायी हो गयी। निश्चित रूप से पश्चिमी देशों की सरकारों को अभिव्यक्ति की आजादी की सीमा व गरिमा तय करनी होगी। लगातार हो रहे इन हमलों के बाद भी हिन्दू समुदाय शांति और करुणा की ही बात करता आया है। पर एक बड़ा सवाल ये है कि आखिर कब तक यह सिलसिला चलेगा? क्या अमेरिकी एवं ब्रिटेन प्रशासन इस पर कोई ठोस कदम उठाएंगे? हाल ही में ब्रिटिश गृह मंत्रालय की रिपोर्ट में ऐसे अतिवादियों के उभार को ब्रिटिश कानून व्यवस्था के लिये खतरा बताया गया था। आतंक किसी एक देश नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिये गंभीर खतरा है। लेकिन इसके बावजूद ऐसे मामलों की अनदेखी की जा रही है। निश्चित तौर पर छोटी घटनाओं को नजरअंदाज करने से कालांतर में बड़ी हिंसक गतिविधियों को ही प्रश्रय मिलता है।

आप का नजरीया

कांग्रेस प्रवक्ता की ओछी मानसिकता

कांग्रेस के पोस्टर बॉय राहुल गांधी अपनी पार्टी को 'मोहब्बत की दुकान' बताते थकते नहीं हैं लेकिन निरंतर अंतराल पर कांग्रेस की ओर से आते बयान कुछ और ही बयां करते हैं। भारतीय क्रिकेट टीम आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर रही है, लेकिन कांग्रेस के नेता देश और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने की जगह अत्यंत ओछी टिप्पणियां कर रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के शरीर को लेकर घोर आपत्तिजनक एवं निंदनीय बयान दिया है। उन्होंने लिखा कि "रोहित शर्मा एक खिलाड़ी के तौर पर मोटे हैं। उन्हें वजन कम करने की जरूरत है। निश्चित रूप से यह भारत का अब तक का सबसे निराशाजनक कप्तान"। कोई भी सभ्य नागरिक किसी के शरीर को लेकर इस प्रकार की टिप्पणी नहीं कर सकता। दरअसल, ऐसा लगता है कि नफरत और नकारात्मकता की आग कांग्रेस के खेमे में इस हद तक फैल गई है कि उसके दायरे में अब केवल भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नहीं है अपितु उसके निशाने पर कोई भी आ सकता है। कांग्रेस के प्रवक्ता की इस टिप्पणी के बाद उनकी जमकर आलोचना हो रही है। डॉ. शमा को भी मजबूरी में यह टिप्पणी हटानी पड़ी है लेकिन अपनी ओछी एवं संकीर्ण मानसिकता के लिए उन्होंने अब तक सार्वजनिक रूप से माफी नहीं माँगी है। यह बताता है कि उन्होंने अपने नेताओं के दबाव में पोस्ट तो हटा ली लेकिन उनका मौलिक दृष्टिकोण नकारात्मक ही है। एक अन्य पोस्ट में कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. शमा लिखते हैं- "अपने पूर्ववर्तियों की तुलना में रोहित शर्मा में ऐसा क्या विश्वस्तरीय है? वह एक औसत कप्तान होने के साथ-साथ एक औसत खिलाड़ी भी हैं, जिन्हें भारत का कप्तान बनने का सौभाग्य मिला"। बहरहाल, डॉ. शमा को पता होना चाहिए कि रोहित शर्मा न केवल बेहतरीन खिलाड़ी हैं अपितु उनकी कप्तानी में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। किसी खिलाड़ी की योग्यता को उसके रूप-रंग और शरीर की बनावट के आधार पर नहीं अपितु उसकी उपलब्धियों एवं आंकड़ों के देखना चाहिए। रोहित शर्मा दुनिया के उन गिने-चुने बल्लेबाजों में हैं, जिन्होंने अपने देश के लिए सबसे अधिक बार शतक लगाए हैं। एक दिवसीय क्रिकेट में सबसे अधिक शतक बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में 32 शतक लगाकर रोहित शर्मा तीसरे स्थान पर हैं। सभी प्रकार के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में सर्वाधिक शतक लगाने के मामलों में वह दसवें स्थान पर हैं। एक दिवसीय मुकाबले में अपनी टीम के लिए सबसे अधिक दोहरे शतक (3) लगाने का कीर्तिमान भी उनके नाम है। एक दिवसीय क्रिकेट के विश्व कप में सबसे अधिक शतक (5) लगाने का अद्भुत कीर्तिमान भी उनके नाम है। इसके अलावा और भी कई उपलब्धियां हैं, जो उन्हें विश्व के बेहतरीन खिलाड़ियों में शुमार कराते हैं। एक कप्तान के तौर पर भी वे अब तक के सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं। उनकी कप्तानी में भारत बिना कोई मैच हारे एक दिवसीय क्रिकेट के विश्व कप में अंतिम मुकाबले तक पहुँची।

सरकारी कार्य में गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा लापरवाही पर होगी कार्रवाई : रणबीर गंगवा

हिसार (हिंस)। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि सरकारी कार्य में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखें। यदि किसी स्तर पर सड़क निर्माण या अन्य कार्यों में लापरवाही पाई गई तो न केवल अधिकारियों पर कार्रवाई होगी बल्कि संबंधित एजेंसी पर भी कार्रवई निश्चित है। रणबीर गंगवा रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समय-समय पर निर्माण कार्यों की चैकिंग होती है ताकि जनता के पैसे का सही जगह व सही समय पर सदुपयोग करवाया जा सके। उन्होंने कहा कि हिसार की आटो मार्केट की सीवरेज व्यवस्था चरमराने बारे पूछे एक सवाल के जवाब में मंत्री के कहा कि यह मामला ध्यान में आते ही अधिकारियों को सीवरेज व्यवस्था दुरूस्त करवाने के निर्देश दे दिए गए हैं। केवल आटो मार्केट या हिसार ही नहीं बल्कि हर जगह की सीवरेज व सड़क व्यवस्था को उत्तम क्वालिटी के साथ सही करने के निर्देश दे दिए गए हैं। हिसार व हांसी होंगे दो सांगठनिक जिलेमंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी संगठन को बारीकी से मजबूत करके कार्यकर्ताओं का सम्मान करने वाली पार्टी है। इसी को देखते हुए सांगठनिक प्रक्रिया जारी है। हिसार बड़ा जिला है और इसमें सात विधानसभा सीटें है, जिसे देखते हुए पार्टी ने हिसार जिले को दो भागों में बांटकर दो जिला अध्यक्ष बनाने का निर्णय लिया है। इसके तहत हिसार जिले में हिसार, आदमपुर, नलवा व उकलाना की चार विधानसभाओं का एक सांगठनिक जिला होगा जबकि बरवाला, हांसी व नारनौंद को मिलाकर हांसी सांगठनिक जिला होगा। उन्होंने कहा कि इससे संगठन का कार्य सुचारू रूप से चलाने में मदद मिलेगी। निकाय चुनाव में कांग्रेस जीरों पर आउटरणबीर गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने निकाय चुनाव की घोषणा होते ही ऐलान किया था कि कांग्रेस जीरों पर आउट होगी और ऐसा ही हुआ। कांग्रेस की हालत इस समय बहुत नाजुक हो चुकी है और किसी भी निकाय चुनाव में उसकी जीत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का अब कोई भविष्य नहीं है। इन निकाय चुनावों में भाजपा 10 में से 9 में विजयी हुई है। प्रवीण पोपली भारी अंतर से बने मेयरमंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि हिसार निगम चुनाव में भाजपा उम्मीदवार प्रवीण पोपली लगभग 65 हजार मतों से चुनाव जीते हैं, जो ऐतिहासिक जीत है। इसके अलावा 20 में 17 पार्षद भी भाजपा के जीते हैं, जो एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि यह सब केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों तथा भाजपा के प्रति जनता के विश्वास का परिणाम है।

असम की जेल में बंद सात कट्टरपंथियों को पंजाब वापस लाएगी सरकार, हटेगा रासुका

चंडीगढ़ (हिंस)। देशद्रोह के आरोप में असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तानी कट्टरपंथी अमृतपाल के सात साथियों पर लगा राष्ट्रीय सुरक्षा कानून हटाया जाएगा। अब इन्हें सामान्य कैदी की तरह पंजाब की जेल में शिफ्ट किया जाएगा। सोमवार से पंजाब सरकार इन कट्टरपंथियों को पंजाब वापस लाने की प्रक्रिया शुरू करेगी। कट्टरपंथी संगठन *वारिस पंजाब दे* के प्रमुख और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह के सात साथियों पर पंजाब सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून जारी रखने से इनकार कर दिया है। अमृतपाल सिंह और साथी पप्पलप्रीत सिंह अभी डिब्रूगढ़ जेल में ही रहेंगे, क्योंकि पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट में चल रही उनकी एनएसए की अगली सुनवाई 22 मार्च को होनी है, जिसके बाद सरकार आगे फैसला लेगी। पंजाब पुलिस ने बाकी सभी सात को डिब्रूगढ़ जेल से पंजाब लाकर राज्य के थानों में दर्ज सभी मामलों में कार्रवाई करेगी। अमृतपाल सिंह से पहले उसके आठ साथी गिरफ्तार हो गए थे, जिन्हें असम की डिब्रूगढ़ जेल में रखा गया। अमृतपाल सिंह के अलावा पपलप्रीत सिंह, भगवंत सिंह उर्फ *प्रधानमंत्री* बाजेके, दलजीत सिंह कलसी, बसंत सिंह, गुरमीत सिंह, जीत सिंह, हरजीत सिंह, विक्रमजीत सिंह शामिल हैं। इनमें से सात आरोपियों को पंजाब लाया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री बंद कमरे की बजाए सार्वजनिक रूप से ब्राहमण समाज से मांगे माफी : जयहिंद

रोहतक (हिंस)। जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद ने कहा कि ब्राहमण समाज स्वाभिमानी समाज है और 36 बिरादरी को साथ लेकर हमेशा चला है, लेकिन जिस तरह से विधानसभा सत्र के दौरान कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा व विधायक रामकुमार गौतम के बीच हुए मामले से आज पूरे ब्राहमण समाज को लोगों के बीच अपमान सहना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कैबिनेट मंत्री ने विधायक रामकुमार गौतम की उम्र का लिहाज तक नहीं किया और जो अभद्र शब्दों का प्रयोग कर जो अपमान उनका व समाज का किया है, उसे ब्राहमण समाज किसी कीमत पर सहन नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि कैबिनेट मंत्री को बंद कमरे व वीडियों डालने की बजाए विधानसभा में सार्वजनिक रूप से ब्राहमण समाज व विधायक रामकुमार गौतम से माफी मांगनी होगी। जयहिंद सेना प्रमुख नवीन रविवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान कैबिनेट मंत्री व भाजपा विधायक के बीच जो घटना क्रम हुआ है, आज उससे ब्राहमण समाज पूरी तरह से आहत है और मजाक का पात्र बनकर रह गया है, जिसकी भविष्य में भरपाई होना मुश्किल है। साथ ही उन्होंने कहा कि समाज से बड़ा कोई नहीं है, लेकिन कैबिनेट मंत्री सता के नशे में चूर है और इसीलिए उन्होंने बिना सोचे समजे आज पूरी दुनिया में ब्राहमण समाज को अपमानित कर दिया है। उन्होंने कहा कि ब्राहमण समाज का हमेशा मान सम्मान होता था, लेकिन कैबिनेट मंत्री ने उस मिलने वाले मान सम्मान को ठेस पहुंचाई है और अब लोग समाज को लेकर तरह तरह की बाते करने लगे है, जोकि ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर भी आज ब्राहमण समाज के प्रति लोगों ने अपना नजरीया ही बदल दिया है, इसके लिए समाज कैबिनेट मंत्री को कभी माफ नहीं करेगा।

अमृतसर में दो हवाला कारोबारी गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अमृतसर से दो हवाला ऑपरेटरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनसे बड़ी मात्रा में भारतीय रुपए और अमेरिकी करेंसी बरामद की है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान सुखजीत सिंह और रणबीर सिंह के तौर पर हुई है। ये दोनों आरोपी नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े अवैध वित्तीय लेनदेन में शामिल थे। यह गिरफ्तारी पुलिस स्टेशन घरिंडा द्वारा की गई 561 ग्राम हेरोइन की जब्ती की जांच के दौरान हुई, जिसमें आरोपियों के हवाला नेटवर्क से जुड़े होने का खुलासा किया था। डीजीपी के अनुसार दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उनके ठिकानों पर छापेमारी की, जहां से भारी मात्रा में नकदी और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद हुए। जिसमें पुलिस ने 17, 60, 000 रुपए, 4, 000 अमेरिकी डॉलर और एक लैपटॉप जब्त किया, जिसमें लेनदेन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी फीड है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ जारी है।

सीएनजी व पीएनजी पर वैट दर घटाने की अधिसूचना जारी

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अनुमोदन के बाद रविवार को सीएनजी व पीएनजी पर वैट दर घटाने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह दर सोमवार, 17 मार्च से प्रभावी होगी। इससे आमजन के साथ-साथ निवेशक और उद्यमी भी लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा 12 मार्च को वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान सीएनजी व पीएनजी पर वैट की दर को 10 प्रतिशत से घटाकर 7.5 प्रतिशत करने की घोषणा की गई थी।

दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प एएसआई सहित दो घायल, दस बलवाई गिरफ्तार

नवादा (हिंस)। नवादा जिले में को आकोल थाने के सोखोदेवरा गांव में होली पर्व में कहासूनी को लेकर रविवार को दो दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प में ए एस आई सहित तीन घायल हो गए। जिसके बाद स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए नवादा के डीएम रवि प्रकाश एवं एसपी अभिनव धीमान को स्वयं कमान कमान संभालनी पड़ी। फिलहाल गांव में स्थिति तनावपूर्ण लेकिन पूरी तरह प्रशासनिक नियंत्रण में है। गांव में काफी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पुलिस संवेदनशील है। पकरीबरावां एसडीपीओ महेश चौधरी के कहा कि प्रशासन की मौजूदगी में दो पक्षों में रोडेबाजी की घटना घटित हो गई। जिसमें एक पुलिस पदाधिकारी पीटीसी रंजीत रंजन आंशिक रूप से घायल भी हो गए। जिसके बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों से दस लोगों को हिरासत में लेकर कौआकोल थाना ले आई। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों में होली के एक दिन पूर्व शुक्रवार को भी सीसीटीवी कैमरा लगाने को लेकर विवाद हुआ था। परंतु प्रशासन द्वारा उसे सुलझा लिया गया। जिसके बाद पुन: विवाद उत्पन्न हो गया। थानाध्यक्ष दीपक कुमार के अनुसार पर्व में अशांति फैलाने सहित विभिन्न मामलों में प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। रविवार को कौआकोल थाना परिसर में दोनों पक्षों के गणमान्य लोगों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में शांति समिति की बैठक भी आयोजित की गई। कौआकोल बीडीओ डॉ. अखिलेश कुमार, सीओ मनीष कुमार, थानाध्यक्ष दीपक कुमार, अपर थानाध्यक्ष सरोज कुमार, एएसआई अर्जुन राम सहित अन्य पुलिस अधिकारी घटना पर पूरी तरह नजर रखे हुए हैं।

निगम चुनाव में जनता ने जताया भाजपा की नीतियों में विश्वास : अशोक सैनी

हिसार (हिंस)। भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने कहा है कि नगर निगम चुनाव में जनता ने भाजपा में पूर्ण रूप से विश्वास जताया है। यही कारण है कि भाजपा मेयर उम्मीदवार प्रवीण पोपली भारी मतों से विजयी हुए वहीं 20 में से 17 वार्डों में पार्षद प्रत्याशी भी अच्छे मार्जन से जीतकर आए हैं। यह सब सरकार की स्वच्छ व पारदर्शी प्रशासन तथा सरकार के प्रति जनता के विश्वास का परिणाम है। अशोक सैनी रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में नवनिर्वाचित मेयर व पार्षदों के अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा, पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता व अनूप धानक, वरिष्ठ नेता श्रीनिवास गोयल व जगदीश चौपड़ा इस मौके पर विशेष तौर पर उपस्थित रहे। जिला अध्यक्ष ने कहा कि हाल ही में हुए निकाय चुनाव में जनता ने भाजपा पर भरोसा जताकर ट्रिपल इंजन की सरकार बनाई है। अब ट्रिपल इंजन की सरकार केंद्र से लेकर शहरों तक विकास की झड़ी लगा देगी। उन्होंने नवनिर्वाचित मेयर व पार्षदों का मालाएं डालकर व पगड़ी पहनाकर उनका स्वागत किया और कहा कि जनता ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरते हुए वे पार्टी की नीति व रीति के अनुरूप कार्य करें। लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने इस अवसर पर कहा कि मेयर व पार्षदों की जीत के साथ ही उनकी जिम्मेवारी व जवाबदेही बढ़ गई है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर चलते हुए जनता की आशाओं के अनुरूप काम करते हुए शहर में विकास को नई गति प्रदान करें। पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि मेयर व पार्षद बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि मेयर व जीते हुए पार्षदों के अलावा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की शहर के प्रति जवाबदेही है। सभी मिलकर शहर के विकास कार्यों को पूरा करवाएं, नई योजनाएं लाएं और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें। नवनिर्वाचित मेयर प्रवीण पोपली ने इस अवसर पर कहा कि पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार बनाकर तथा जनता ने जीत दिलाकर जो भरोसा जताया है, उस पर वे खरा उतरने का प्रयास करेंगे। वे सदैव जनता की समस्याओं को दूर करने व विकास कार्यों को गति देने का प्रयास करेंगे।

जालंधर में इस्लाम पर टिप्पणी करने वाले यूटूबर के घर पर फेंका ग्रेनेड

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर के मंदिर में ग्रेनेड हमले के अगले दिन रविवार सुबह जालंधर में एक यूटूबर के घर पर ग्रेनेड हमला हुआ है। इस संबंध में पंजाब पुलिस ने आधिकारिक रूप से नहीं बयान नहीं दिया है। एक पाकिस्तानी डॉन के गैंग के नाम से एक वीडियो संदेश में इस हमले की जिम्मेदारी ली गई है। इस हमले की वजह मुस्लिम समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी करना बताया गया है। जालंधर के रायपुर रसूलपुर में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले एक यूट्यूबर के घर पर रविवार सुबह करीब 4 बजे ग्रेनेड से हमला हुआ। ग्रेनेड की पिन निकली हुई थी। किन्हीं कारणों से उक्त ग्रेनेड फटा नहीं, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ। मामले की सूचना मिलते ही जालंधर देहात पुलिस के एसएसपी गुरमीत सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रेनेड बरामद कर लिया है। हमला करने के लिए दो लोग आए थे। जिस व्यक्ति के घर पर यह ग्रेनेड फेंका गया, वह हिंदू विचारधारा का व्यक्ति है। इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी गैंग ने एक वीडियो में कहा है कि जालंधर के रायपुर रसूलपुर में मुस्लिम समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने वाले एक यूट्यूबर के घर पर ग्रेनेड से हमला करवाया गया है। मुस्लिम समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी करने पर यह हमला किया गया है। वीडियो में शहजाद भट्टी ने दावा किया है कि भारत के पंजाब में जालंधर में जो ग्रेनेड हमला हुआ है, वो मैंने करवाया है। वो इसलिए फेंका गया, क्योंकि मेरे इस्लाम, मेरे खाना काबा, मेरे नबियों को गालियां देता था। खबर है कि पाकिस्तानी डॉन ने इस हमले को अंजाम देने के लिए पंजाब के मोस्ट वांटेड हैप्पी पसियां के गुर्गों की मदद ली है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। एसएसपी गुरमीत सिंह के अनुसार पुलिस हर पहलू को आधार बनाकर जांच कर रही है। वायरल वीडियो की कोई पुष्टि नही है।

समस्याओं का निदान कराएं पीड़ितों को न्याय दिलाएं : मुख्यमंत्री

गोरखपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भी गोरखनाथ मंदिर में *जनता दर्शन* किया। इस दौरान 150 से अधिक लोग पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी के पास पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना और अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार *सबका विश्वास, सबका विकास* के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि समस्याओं का निदान कराएं और पीड़ितों को न्याय दिलाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि जरूरतमंदों तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाएं और उन्हें विकास से जोड़ें। सीएम योगी रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में पीड़ितों की समस्याएं सुन रहे थे। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक कर सबकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ सीएम ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे, जिस पर मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। मुख्यमंत्री ने इलाज से जुड़े एस्टिमेट मंगाने के लिए कहा। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश भी दिया।

लोक सेवाओं और सुविधाओं का बेहतर प्रबंधन करें : गजेन्द्रसिंह शेखावत

जोधपुर (हिंस)। जोधपुर एवं फलोदी जिलों की जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की वर्ष 2024-25 त्रैमास की संयुक्त बैठक केंद्रीय पर्यटन एवं सस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में रविवार को महिला पोलिटेक्निक कॉलेज परिसर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेन्टर में आयोजित हुई। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने बैठक में जोधपुर एवं फलोदी जिले में संचालित केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों, परियोजनाओं, अभियानों सहित लोक कल्याण एवं सामुदायिक विकास की गतिविधियों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा एवं समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। शेखावत ने जोधपुर एवं फलोदी जिलों में पेयजल प्रबंधन गतिविधियों की समीक्षा करते हुए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि नहरबंदी तथा ग्रीष्मकालीन के दृष्टिगत आगामी चार माह में पेयजल उपलब्धता के लिए उपयुक्त कंटीन्जेन्सी प्लान के अनुरूप निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में प्राथमिकता से काम किया जाए। शेखावत ने जल जीवन मिशन में आ रही कमियों के निस्तारण को दृष्टिगत रखते हुए समुचित कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने बंद पड़े हैंड पम्पों तथा ट्यूबवेल्स को युद्धस्तर पर सुचारू करने के लिए जनता जल योजना अंतर्गत कारगर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि हर क्षेत्र में इस प्रकार से व्यवस्था सुनिश्चित करें कि गर्मियों के दिनों तथा नहरबंदी के समय पेयजल वितरण में किसी भी प्रकार की दिक्कतें सामने न आएं। शेखावत ने जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से कहा कि पेयजल से संबंधित तमाम गतिविधियों और योजनाओं की माइक्रो लेवल पर समीक्षा करें और गत वर्ष के अनुभवों को ध्यान में रखकर बेहतर प्रबंधन तंत्र विकसित करें। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि कंटीन्जेंसी प्लान के बेहतर क्रियान्वयन के लिए मार्च माह के अंत तक सभी अधिकारियों के साथ पारस्परिक समन्वय स्थापित कर कार्रवाई करें। इसके उपरान्त समीक्षा बैठक आयोजित कर इनकी समीक्षा की जाएगी। शेखावत ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभागीय अधिकारियों से कहा कि आगामी तीन महीने में टीबी रोगियों तथा निक्षय मित्र के गैप को खत्म करते हुए जोधपुर और फलोदी में निक्षय मित्र योजना अंतर्गत शत-प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करें। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से जिलों में आ रहे मौसमी बीमारियों एवं वायरल केसेस पर विस्तृत चर्चा की और हर स्तर पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने नगर निगम आयुक्त को शहर के सीवरेज तंत्र के सुधार, साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा अतिक्रमण को रोकने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में संसदीय मंत्री जोगाराम पटेल, पाली सांसद पीपी चौधरी, सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी, बिलाड़ा विधायक अर्जुनराम गर्ग, भोपालगढ़ विधायक गीता बरबड़, जिला कलेक्टर जोधपुर गौरव अग्रवाल, जिला कलक्टर फलोदी हरजीलाल अटल, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. धीरज कुमार सिंह, जोधपुर विकास प्राधिकरण के आयुक्त उत्साह चौधरी, नगर निगम (उत्तर-दक्षिण) आयुक्त सिद्धार्थ पालानीचामी, पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) राजऋषि वर्मा, पुलिस अधीक्षक पूजा सहित जनप्रतिनिधि एवं जोधपुर व फलोदी के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा कि सरकार वर्ष 2047 तक *विकसित भारत* के निर्माण के लिए कृत संकल्पित है।

जूना अखाड़े के बैजनत्था जपेश्वर महादेव मठ में संतों के लिए विशाल भंडारा

वाराणसी (हिंस)। बैजनत्था स्थित जूना अखाड़े के जपेश्वर महादेव मठ में रविवार को संतों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में अखाड़े के महामंडलेश्वर, महंत, सभापति सहित नागा साधुओं ने भी भाग लिया। प्रयागराज महाकुंभ के तीन अमृत स्नान के बाद काशी में डेरा जमाए नागा संत रविवार को मठ में आयोजित भंडारे में शामिल हुए। श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के संरक्षक और वर्तमान सभापति के देखरेख में भंडारा 18 मार्च तक अनवरत चलेगा। काशी सुमेरूपीठ के पीठाधीश्वर जगदगुरू शंकराचार्य नरेंद्रानंद सरस्वती ने बताया कि मठ में देश के तमाम महामंडलेश्वर एकत्रित हुए हैं। इसमें नेपाल से भी मंडलेश्वर संत आए हुए हैं।

चूरू: नीलगाय से टकराकर पलटी कार, वेटरनरी डॉक्टर की मौत

चूरू (हिंस)। जिले के सादुलपुर-सिधमुख रोड पर रविवार रात एक दर्दनाक हादसे में वेटरनरी डॉक्टर की मौत हो गई। डॉक्टर मवेशी का इलाज कर घर लौट रहे थे, तभी अचानक नीलगाय सामने आ जाने से उनकी बोलेरो कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में डॉक्टर मनोज बुडानिया (36) की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि उनका साथी रणवीर पूनिया (20) गंभीर रूप से घायल हो गया। सादुलपुर के ढिगारला गांव निवासी डॉक्टर मनोज बुडानिया चेनपुरा गांव में पशु का इलाज कर लौट रहे थे। सिधमुख पुलिया के पास अचानक नीलगाय आ गई, जिससे कार बेकाबू होकर पांच बार पलटी खाकर करीब 100 मीटर दूर दीवार से टकरा गई। इस दौरान डॉक्टर मनोज कार से बाहर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल डॉक्टर मनोज और उनके साथी रणवीर पूनिया को ग्रामीणों ने सादुलपुर अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में दोनों को हिसार रेफर किया गया। इलाज के दौरान डॉक्टर मनोज ने दम तोड़ दिया, जबकि रणवीर पूनिया का इलाज हिसार के निजी अस्पताल में जारी है। डॉक्टर मनोज सादुलपुर के सेउवा पशु अस्पताल में कार्यरत थे। उनके पिता हवासिंह बुडानिया सेवानिवृत्त शिक्षक हैं, जबकि पत्नी ममता बुडानिया वरिष्ठ नर्सिंग कर्मचारी हैं। उनके दो छोटे बच्चे हैं। इस हादसे से परिवार और ग्रामीणों में गहरा शोक है।

बिहार में पलायन और बेरोजगारी एक गंभीर समस्या : कृष्णा अल्लावरू

पूर्वी चंपारण (हिंस)। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलो ने तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस ने बिहार में बढ़ती बेरोजगारी और पलायन को मुख्य मुद्दा बनाया है, जिसे लेकर रविवार को चंपारण के भितिहरवा गांधी आश्रम से युवा कांग्रेस और एनएसयूआई पदयात्रा कर रहा हैं। पदयात्रा बिहार के विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए पटना तक जाएगी। पदयात्रा को लेकर मोतिहारी में पहुंचे कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह का रविवार को पूर्वी चंपारण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय (गप्पू राय) के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर मोतिहारी स्थित डाक बंगला में एक प्रेस वार्ता का भी आयोजन किया गया, जिसे संबोधित करते हुए कांग्रेस के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्र. सिंह ने कहा कि राज्य में युवाओं की स्थिति चिंताजनक है। पलायन और बेरोजगारी बिहार की स्थिति को जर्जर बना रख दिया है। कांग्रेस पदयात्रा के माध्यम से पलायन और रोजगार जैसे मुद्दे पर युवाओं जागरूक करना चाह रही है, ताकि यह प्रश्न सरकार से पूछा जाए कि आखिर बिहार कब तक पलायन और बेरोजगारी की त्रासदी झेलता रहेगा। उन्होने कहा बिहार में पेपर लीक होना को आम बात हो गई है। उन्होने बताया कि कांग्रेस की यह आंदोलन को बिहार में बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। श्री अल्लावरू ने इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बिहार के सभी युवाओ से इस पदयात्रा में शामिल होने की अपील भी की।

एनसीआर में बिछेगी एक और मेट्रो लाइन, टेंडर जारी

15.2 किलोमीटर लंबे वायडक्ट और 14 एलिवेटेड स्टेशनों का किया जाएगा निर्माण

नई दिल्ली

गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने गुरुग्राम को एक और मेट्रो लाइन की खुशखबरी दी है। इस परियोजना के तहत हुडा सिटी सेंटर से सेक्टर 9 तक 15.2 किलोमीटर लंबे वायडक्ट और 14 एलिवेटेड स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत 1,286 करोड़ रुपए है और टेंडर की बोलियां 22 अप्रैल को खोली जाएंगी। अगर सब कुछ समय पर हुआ तो नई मेट्रो लाइन का पहला चरण 2027 तक तैयार हो जाएगा।

चयनित ठेकेदार को दी जाएगी जिम्मेदारी

गुरुग्राम में एक और महत्वपूर्ण व्यवसायिक संपत्ति का निर्माण शुरू हो रहा है, जो गुरुग्राम को महत्वपूर्ण शहरों से जोड़ेगा और सीधी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। इस परियोजना के माध्यम से हुडा सिटी सेंटर से सेक्टर 45, सेक्टर 46 (साइबर पार्क), सेक्टर 47, सुभाष चौक, सेक्टर 48, सेक्टर 33, हीरो होंडा चौक, उद्योग विहार 6, सेक्टर 10, सेक्टर 37, बसई और सेक्टर 9 तक स्टेशनों का निर्माण होगा। चयनित ठेकेदार को वायडक्ट सरेखण का सर्वेक्षण करने की जिम्मेदारी दी जाएगी, जिससे परियोजना का सफल निर्माण सुनिश्चित होगा। इस परियोजना के अनुसार, गुरुग्राम में बनने वाली पूरी मेट्रो परियोजना 28.5 किमी लंबी होगी और इसमें बसई गांव से द्वारका एक्सप्रेसवे तक 1.85 किमी का हिस्सा भी शामिल होगा। हुडा सिटी सेंटर से साइबर सिटी तक 26.65 किमी लंबा मुख्य कॉरिडोर एलिवेटेड होगा, जिसमें कुल 27 स्टेशन होंगे।

दिल्ली मेट्रो की यलो लाइन के साथ एक डिपो इंटरचेंज भी बनाया जाएगा, जो गुरुग्राम और दिल्ली के महत्वपूर्ण हिस्सों के बीच सीधी कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। इस मेट्रो लाइन के निर्माण से गुरुग्राम की जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और शहर का विकास गति से आगे बढ़ेगा। यह परियोजना शहर के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा और गुरुग्राम को एक मॉडर्न और उन्नत नगर बनाने में मदद करेगा।

न्यूज ब्रीफ

सेल राउरकेला इस्पात संयंत्र की क्षमता बढ़ाकर 90 लाख टन करेगी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने 30,000 करोड़ रुपये के निवेश के माध्यम से राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) की क्षमता को दोगुना से अधिक बढ़ाकर लगभग 90 लाख टन सालाना करने की योजना बनाई है। इस कदम से आर्थिक सेक्टरों में आपूर्ति में वृद्धि की उम्मीद है। आरएसपी के प्रभारी-निदेशक ने बताया कि इस विस्तार के बाद आरएसपी सेल के 2030 तक 3.5 करोड़ टन सालाना का उत्पादन करने का लक्ष्य रखती है। यह विस्तार 1,200 एकड़ क्षेत्र में होगा और इसमें लगभग 30,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। राउरकेला इस्पात संयंत्र, जो ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से लगभग 320 किलोमीटर दूर है, भारत में पहला सार्वजनिक क्षेत्र का इस्पात संयंत्र है और इसका गौरवपूर्ण इतिहास है। इसे 1950 के दशक में जर्मनी के सहयोग से शुरू किया गया था। आरएसपी ने ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्टिंग शॉप, विभिन्न उत्पादन संयंत्र और लॉजिस्टिक्स को शामिल कर रही है। इस नई विस्तार प्रोजेक्ट के तहत, विस्तारित क्षेत्र में उत्पादन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई सुविधाएं जोड़ी जाएंगी।

रियल एस्टेट डेवलपर्स ने 2022-24 में 18,112 करोड़ की जमीन खरीदी

नई दिल्ली। रियल एस्टेट डेवलपर्स ने 2022-24 के दौरान 5,885 एकड़ जमीन 90,000 करोड़ रुपये में खरीदी है जिससे आवास और कमर्शियल संपत्तियों की मांग को पूरा करने के लिए प्रोजेक्ट विकसित किए जा सकें। जेएलएल इंडिया के अनुसार इसमें पहले एकड़ जमीन 1,603 एकड़ में 18,112 करोड़ रुपये में खरीदी गई, 2023 में 1,947 एकड़ में 32,203 करोड़ रुपये में और 2024 में 2,335 एकड़ में 39,742 करोड़ रुपये में। इस डेटा के मुताबिक, रियल एस्टेट डेवलपर्स ने 2022 में 1,603 एकड़ जमीन 18,112 करोड़ रुपये में, 2023 में 1,947 एकड़ जमीन 32,203 करोड़ रुपये में खरीदी। 2024 के दौरान, डेवलपर्स द्वारा जमीन खरीद 2,335 एकड़ तक पहुंच गई, जिसकी कीमत 39,742 करोड़ रुपये थी। 2022-24 के दौरान, रियल एस्टेट डेवलपर्स ने 5,885 एकड़ जमीन 90,057 करोड़ रुपये में खरीदी। इस डेटा में केवल रियल एस्टेट डेवलपर्स द्वारा सीधे खरीद को किया गया है। डेवलपर्स और जमीन मालिकों के बीच हुए जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट को विश्लेषण में शामिल नहीं किया गया है। बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन और पुणे जैसे टियर ब्व शहरों में कंपनी ने अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी और जमीन खरीद का 72 प्रतिशत हिस्सा इनका रहा। टियर 2 और 3 शहरों ने 28 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया, जो 662 एकड़ जमीन के बराबर है। रिपोर्ट में कहा गया कि 2024 में 2,335 एकड़ जमीन की खरीद से 194 मिलियन (1,940 लाख) वर्ग फीट रियल एस्टेट का डेवलपमेंट पोटेंशियल पैदा होगा। इसकी कुल कीमत जिसकी कीमत 39,742 करोड़ रुपये थी।

ओयो होटल्स ने घोषित किया मुफ्त ठहरने का बड़ा ऑफर

नई दिल्ली। देशभर में ओयो होटल्स के ठहरने वाले ग्राहकों के लिए बड़ी खबर है। ओयो कंपनी ने घोषित किया है कि लोग अब पांच दिनों तक मुफ्त ठहर सकते हैं। इस ऑफर के तहत, देशभर में 1000 होटलों में यह सुविधा उपलब्ध है। इस ऑफर की शुरुआत होली के मौके पर की गई है, जो भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत के उत्सव के बाद है। ओयो के फाउंडर ने एक्स पर एक पोस्ट करके बताया कि इस ऑफर का मुख्य उद्देश्य यात्रा करने और प्रियजनों के साथ समय बिताने की प्रोत्साहन है। इस खास मौके पर ऑफर का नवाजा जाएगा, इसमें प्रीमियम से बजट और टाउनहाउस कमरे शामिल हैं। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को ओयो की वेबसाइट पर जाकर बुकिंग करनी होगी और चैंपियन कूपन कोड का उपयोग करना होगा। यह ऑफर केवल पहले 2000 बुकिंग्स तक ही सीमित है, इसलिए जल्दी ही बुक करें और इस होली को और भी यादगार बनाएं।

शेयर मार्केट : साप्ताहिक समीक्षा

उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली

सोमवार से गुरुवार को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार वैश्विक दबाव की वजह से साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुआ। हालांकि इस सप्ताह के दौरान इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन और रिटेल इन्फ्लेशन के आंकड़ों की मजबूती के कारण बाजार को कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियों के कारण घरेलू शेयर बाजार में ओवरऑल कमजोरी आ गई। पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद बीएसई का सेंसेक्स 503.67 अंक यानी 0.67 प्रतिशत गिर कर 73,898.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 155.30 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,397.20 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

सोमवार से गुरुवार के बीच हुए कारोबार के दौरान बीएसई के लार्जकैप इंडेक्स में 0.80 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। इस इंडेक्स में शामिल कंपनी में से जोमैटो, विप्रो, इन्फो एज इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, मैक्रोटेक डेवलपर्स, एलटी माइंडट्री और इंफोसिस के शेयर बड़ी गिरावट का शिकार हो गए। दूसरी ओर सन फार्मास्यूटिकल, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, एवेन्यू सुपरमार्ट्स, अडाणी ग्रीन एनर्जी और अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में तेजी का रुख बना रहा।

बीएसई का मिडकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में रिलैक्सो फुटवियर्स, एलटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, द रैम्को सीमेंट्स, केपीआईटी टेक्नोलॉजीज, एस्ट्रल और इंडियन बैंक शामिल हैं। दूसरी ओर, ट्यूब इन्वेस्टमेंट ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, टाटा कम्युनिकेशंस और सोलर इंडस्टरीज (इंडिया) के शेयरों में साप्ताहिक आधार पर बढ़त दर्ज की गई।

पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बीएसई का स्मॉल कैप इंडेक्स सबसे अधिक 5 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। इस इंडेक्स में शामिल केआर रेल इंजीनियरिंग, कॉफी डे एंटरप्राइजेज, ऑर्किड फार्मा, वेरंडा लर्निंग सॉल्यूशंस, जय कॉर्प, जेनसोल इंजीनियरिंग, ईकेआई एनर्जी सर्विसेज, त्रिवेणी टरबाइन, मैक्स एस्टेट्स, सुयोग टेलीमैटिक्स, बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज, जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज, सेनको गोल्ड और साधना नाइट्रोकेम के शेयरों में 15 से 42 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

दूसरी ओर, एनएसीएल इंडस्टरीज, ओरिएंटल रेल इंफ्रास्ट्रक्चर, कोल्टे-पाटिल डेवलपर्स, शारदा एनर्जी एंड मिनिरल्स, इंडो स्टार कैपिटल फाइनेंस, महानगर टेलीफोन निगम, कैरीसिल, कृष्णा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, एसईपीसी, पीसी ज्वैलर, एएवीएएस फाइनेंसर्स और ट्रांस इंडिया रियल एस्टेट के शेयरों में 10 से 31 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की गई।

पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। निफ्टी का आईटी इंडेक्स 4.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी का मीडिया इंडेक्स 3.4 प्रतिशत टूट गया। वहीं, निफ्टी के पीएसयू बैंक इंडेक्स में पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद 2.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा निफ्टी का ऑटोमोबाइल और रियल्टी इंडेक्स दो-दो प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर हुआ 653.96 अरब डॉलर

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान 15.26 अरब डॉलर बढ़कर 653.96 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह यह 1.78 अरब डॉलर घटकर 638.69 अरब डॉलर रह गया था। रुपए में उतार-चढ़ाव को कम करने में मदद के लिए आरबीआई द्वारा विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ पुनर्मूल्यांकन के कारण हाल ही में भंडार में गिरावट का रुख रहा है। सितंबर, 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 13.99 अरब डॉलर बढ़कर 557.28 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। हालांकि, समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.05 अरब डॉलर घटकर 74.32 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 21.2 करोड डॉलर बढ़कर 18.21 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 6.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.14 अरब डॉलर रहा।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली

अमेरिका की टैरिफ पॉलिसी को लेकर बनी अनिश्चितता, ट्रेड वॉर की आशंका और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा एक बार फिर ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना के कारण सेफ एसेट के रूप में वैश्विक स्तर पर पिछले सप्ताह के दौरान सोने की मांग में तेजी बनी रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहली बार शुक्रवार को सोना 3 हजार डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर को पार कर गया। घरेलू सर्राफा बाजार में भी पिछले सप्ताह के दौरान सोने के भाव में ओवरऑल तेजी बनी रही। इस एक सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोने के भाव में 1,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने के भाव में 1,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी आई है।

दूसरी ओर, घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 89,670 रुपये से लेकर 89,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 82,200 रुपये से लेकर 82,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में कमजोरी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी भी 1,03,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

आधार पर सोने में 1,800 से 1,960 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 89,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 82,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 89,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 89,720 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 82,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 89,670 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 82,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 89,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 82,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 89,820 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 82,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 89,720 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 82,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत-न्यूजीलैंड करेंगे एफटीए पर वार्ता, दोनों देशों के पीएम की मुलाकात से पहले घोषणा

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड ने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता शुरू करने की घोषणा की है। इस संदर्भ में आज न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के बीच एक बैठक हुई। इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण साझेदारी की नींव रखी गई है। व्यापक और पारस्परिक रूप से लाभकारी यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर भारत आए प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की वार्ता के पूर्व की गई है। अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर आज न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन नई दिल्ली पहुंचे। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार भारत-न्यूजीलैंड एफटीए वार्ता का उद्देश्य आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को बढ़ाने और बाजार पहुंच में सुधार के साथ संतुलित परिणामों को हासिल करना है। यह मील का पत्थर एक मजबूत आर्थिक साझेदारी के लिए एक साझा दृष्टि को दर्शाता है।

सरसों-सोयाबीन के दाम गिरे, मूंगफली-पाम तेल के भाव उछले

सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये गिरकर 6,110-6,210 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

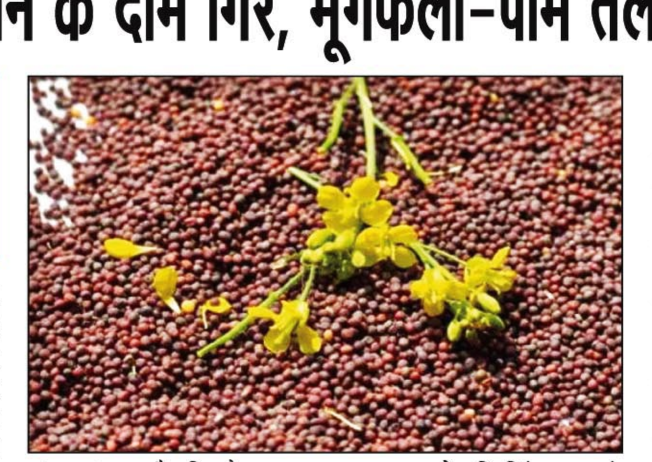

नई दिल्ली

पिछले सप्ताह सरसों की खाली पाइपलाइन ने तेल पेराई मिलों को हाजिर बाजार में दाम तोड़ने पर मजबूर कर दिया। सरसों तेल और सोयाबीन सीड (तिलहन) के दाम गिर गए जबकि मूंगफली और पाम तेल के दाम बढ़ गए। बिनौला तेल भी अपने दाम में सुधार दर्ज करते हुए नजर आया। इसके अलावा बैंकों में अपने ऋण साख-पत्र चलाने के लिए आयातकों ने सोयाबीन तेल को कम दाम पर बेचना शुरू कर दिया है। किसानों के पास अब मूंगफली का अधिक स्टॉक नहीं है, जिससे दाम में बढ़ोतरी देखने को मिली। इसी बीच, कपास की फसल भी बाजार में कप चुकी है और किसान अब उसके ऊंचे भाव मिलने का इंतजार कर रहे हैं। साथ ही विदेशों में सीपीओ के दाम में सुधार आया है जिसके कारण सीपीओ और पामोलीन कीमतें में सुधार दर्ज हुआ। हालांकि, यह सुधार आयातकों को कुछ नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा, बिनौला सीड के दाम में वृद्धि की वजह से उत्तर भारत की तेल मिलें महाराष्ट्र से खरीदना पड़ रहा है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,110-6,210 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 325 रुपये की गिरावट के साथ 13,325 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,350-2,450 रुपये और 2,350-2,475 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव भी क्रमशः 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,150-4,200 रुपये और 3,850-3,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 275 रुपये, 275 रुपये और 300 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 13,925 रुपये, 13,575 रुपये और 9,825 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 25 रुपये के सुधार के साथ 5,700-6,025 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 50 रुपये और 15 रुपये के सुधार के साथ 14,450 रुपये और 2,240-2,540 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 50 रुपये के सुधार के साथ 13,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये की तेजी के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 25 रुपये सुधार के साथ 13,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के अनुरूप सबसे सस्ता होने की वजह से मांग बढ़ने के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 13,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

एआई आधुनिक बाजार में एक उत्प्रेरक शक्ति है: सीसीआई प्रमुख

नई दिल्ली

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) प्रमुख रवनीत कौर का कहना है कि कृत्रिम मेधा (एआई) आधुनिक बाजार में एक उत्प्रेरक शक्ति है, जिसमें साठगांठ को सक्षम करने की क्षमता भी है। उन्होंने कहा कि गतिशील या डायनेमिक मूल्य निर्धारण की आड़ में यह एल्गोरिदम संबंधी भेदभाव की संभावना पैदा कर सकता है। उन्होंने विश्वास आधारित विनियमन के साथ-साथ दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर जोर दिया।

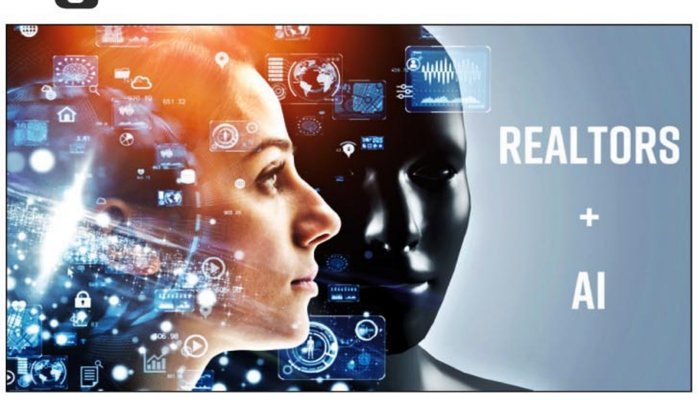

राष्ट्रीय राजधानी में 'प्रतिस्पर्धा कानून के अर्थशास्त्र' पर 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने संबोधन में कौर ने कहा कि एआई आधुनिक बाजारों में एक प्रेरक शक्ति है। एआई उद्योगों में मूल्य निर्धारण रणनीतियों, निर्णय लेने और परिचालन दक्षता को आकार देता है, लेकिन यह खतरा भी पेश करता है। प्रतिस्पर्धा आयोग की प्रमुख ने कहा कि एआई साठगांठ या मिलीभगत के नए रूप को सक्षम कर सकता है। इनमें मानव संचार के बिना गठजोड़, स्पष्ट समझौतों के बिना मूल्य समन्वय और गतिशील मूल्य निर्धारण की आड़ में एल्गोरिदम संबंधी भेदभाव शामिल है। सीसीआई पहले ही एआई और प्रतिस्पर्धा पर एक अध्ययन कर रहा है प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के लागू होने के बाद से, सीसीआई को प्रतिस्पर्धा उल्लंघन से संबंधित 1,300 मामले मिले हैं जिनमें से 1,180 का निपटारा किया जा चुका है। पिछले साल, नियामक को 42 ऐसे मामले मिले। इनमें प्रथम दृष्टया आठ मामलों में प्रतिस्पर्धा उल्लंघन की बात सामने आई जिनकी विस्तार से जांच की जरूरत पड़ी।

उल्लंघन न होने के कारण 19 मामलों को शुरुआती चरण में ही बंद कर दिया गया और 15 मामले जांच के विभिन्न चरणों में लंबित हैं। कौर ने कहा कि 2024 में, नियामक को 128 संयोजन नोटिस प्राप्त हुए और 126 मामलों का निपटारा किया गया। दो मामलों को प्रतिस्पर्धा रक्षोपायों के साथ मंजूरी दी गई।

कनेक्टेड कारों के लिए सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाजार बना भारत, 25 फीसदी की हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली। भारत कनेक्टेड कारों के लिए सबसे तेजी से बढ़ने वाला बाजार बन गया है, जिसमें साल 2024 में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट मुताबिक अडॉप्शन में यह वृद्धि घरेलू वाहन निर्माताओं द्वारा अपने व्हीकल लाइनअप में कनेक्टिविटी फीचर्स को इंटीग्रेट करने से हुई है। साल 2024 में वैश्विक स्तर पर बिकने वाली यात्री कारों में से करीब 75 फीसदी एम्बेडेड सेलुलर कनेक्टिविटी के साथ आई, जो पिछले साल 71 फीसदी थी। ग्लोबल कनेक्टेड कार बाजार में कुल मिलाकर 8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जो स्मार्ट मोबिलिटी सॉल्यूशन की बढ़ती मांग को दर्शाती है। काउंटरपॉइंट के एसोसिएट डायरेक्टर ने कहा कि मास-मार्केट कारों में कनेक्टिविटी सुविधाओं की बढ़ता पेनेट्रेशन इस विस्तार का प्रमुख कारक है। उन्होंने कहा कि वाहन निर्माता ड्राइविंग एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने और सुरक्षा में सुधार करने के लिए एडवांस्ड टेलीमैटिक्स, रीयल-टाइम नेविगेशन और कनेक्टेड इन-कार एंटरटेनमेंट फीचर्स को शामिल किया जा रहा है। वैश्विक स्तर पर, टोयोटा ग्रुप ने 2024 में कनेक्टेड कारों की बिक्री में पहल स्थान हासिल किया, उसके बाद फॉक्सवैगन समूह और हुंडई किआ ऑटोमोटिव समूह का नंबर आता है। हालांकि, बीवाईडी ग्रुप ने अपने सभी मॉडलों में एम्बेडेड कनेक्टिविटी की पेशकश करने की अपनी रणनीति के कारण 34 फीसदी की वार्षिक वृद्धि के साथ सबसे ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की। भारत इस सेगमेंट में सबसे तेजी से बढ़ने वाले देश के रूप में उभरा है, जबकि अमेरिका और जर्मनी अन्य प्रमुख बाजारों के रूप में इस मामले में भारत से पीछे रहे।

श्रीलंका के थिसारा ने आखिरी ओवर में 36 रन बनाकर मचाई खलबली, विश्व क्रिकेट हैरत में

उदयपुर

किसी भी बल्लेबाज के लिए 6 गेंद पर 6 छक्का लगाना आसान नहीं है लेकिन मॉर्डन डे क्रिकेट में ऐसी घटना लागतार देखने को मिल ही जाती है। अब एक बार फिर विश्व क्रिकेट में एक बल्लेबाज ने 6 गेंद पर 6 छक्के लगाकर दुनिया को चौंका कर रख दिया है। विश्व क्रिकेट की बात करें तो युवराज सिंह, हर्षल गिब्स, कीरोन पोलार्ड, रवि शास्त्री के अलावा और भी कुछ बल्लेबाज रहे हैं जिन्होंने 6 गेंद पर 6 छक्के लगाने का कमाल किया है। वहीं, अब श्रीलंका के थिसारा परेरा ने एशियन लीजेंड्स लीग के एलिमिनेटर मैच में अफगानिस्तान पठान्स के खिलाफ मैच में तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की और केवल 36 गेंद पर 108 रन की पारी खेली। परेरा ने अपनी पारी के दौरान एक ओवर में छह छक्के लगाने का भी कमाल लिया। बता दें कि परेरा ने 35 गेंद पर अपना शतक पूरा किया था।

श्रीलंका लायंस के कप्तान के तौर पर इस टूर्नामेंट में खेल रहे। परेरा ने श्रीलंका लायंक की पारी के 20वें ओवर में स्पिनर अयान खान के ओवर में 6 छक्के लगाकर फैन्स के बीच खलबली मचा दी। बता दें कि परेरा ने ऐसा कमाल पहली बार नहीं किया है बल्कि साल 2021 में मेजर क्लब टूर्नामेंट में ब्लूमफील्ड क्रिकेट और एथलेटिक क्लब के खिलाफ मैच में आर्मी स्पोर्ट्स क्रिकेट क्लब के लिए खेलते हुए एक ओवर में 6 छक्के लगाने का कमाल किया था। अब परेरा ने एक बार फिर इस कारनामें को दोहराकर यकीनन फैन्स को हैरान कर दिया है। इस मैच की बात करें तो परेरा के धमाके के कारण श्रीलंका लायंस की टीम 20 ओवर में 230/3 का स्कोर करने में सफल रही। परेरा ने 108 रन की पारी खेली जिसमें 13 छक्के और दो चौके लगाए। परेरा के अलावा मैच में मेवन फर्नांडो ने 81 रन की पारी खेली। बाद में अफगानिस्तान पठान्स की टीम 20 ओवर के बाद 204/4 रन ही बना सकी। श्रीलंका लायंस इस मैच को 26 रन से जीतने में सफल रही। परेरा को उनकी शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया।

बता दें कि थिसारा परेरा ने श्रीलंका के लिए 6 टेस्ट मैच खेले और 203 रन बनाने में सफल रहे। वही वनडे में166 मैच खेलकर 2338 रन बनाने में सफलता हासिल करने में सफल रहे। वनडे में परेरा ने 10 अर्धशतक और 1 शतक लगाने में सफल रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

भारत के खराडी ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, मस्क ने साझा किया वीडियो

सूरत। भारत के विस्पी खराडी ने हरक्यूलिस पिलर को सबसे ज्यादा समय तक पकड़ने का नया विश्व रिकार्ड बनाया है। खराडी ने 2 मिनट और 10.75 सेकंड तक विशाल पिलर को थामे रखकर सभी को हैरान कर दिया। इसके लिए उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज हुआ है। ये खंभे 123 इंच ऊंचे थे और इनका व्यास 20.5 इंच था। 166.7 किलोग्राम और 168.9 किलोग्राम वजन वाले इन खंभों को पकड़कर खराडी ने पिछले सभी रिकार्ड तोड़ दिये। उनकी इस उपलब्धि को टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने भी सोशल मीडिया में साझा किया है। खराडी ने इसके बाद सोशल मीडिया में खुशी जताते हुए लिखा कि मस्क ने उनके प्रदर्शन का एक वीडियो साझा किया है जिससे उन्हें बेहद खुशी हुई। इस वीडियो को मूल रूप से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के आधिकारिक अकाउंट से जारी किया गया था। खराडी ने सोशल मीडिया में लिखा, यह जानकर वाकई बहुत अच्छा लगा कि मस्क ने मेरा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड वीडियो सोशल मीडिया में साझा किया है। मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि एक भारतीय की दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। खराडी के नाम कई ब्लैक बेल्ट और 13 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड शामिल हैं। फिटनेस विशेषज्ञ होने के अलावा वह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कमांडो को युद्ध का प्रशिक्षण देते हैं। उनके पिछले कुछ रिकॉर्ड में एक मिनट में सबसे ज्यादा ड्रिंक कैन को हाथ से मसलने का भी रिकार्ड है।

बिधाननगर के साई कॉम्प्लेक्स में होगा 4 दिवसीय हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन

कोलकाता। अखिल भारतीय पब्लिक सेक्टर हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन साल्ट लेक स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के एस्ट्रोटर्फ मैदान में किया जा रहा है। ये हॉकी टूर्नामेंट सोमवार से शुरू होगा और गुरुवार यानी 20 मार्च को फाइनल होगा। पूल-ए और पूल-बी दोनों में छह टीमें भाग ले रही हैं। इनमें सेल, यूबीआई, नाल्को, एफसीआई, केनरा बैंक और सीआईएल शामिल हैं। आयोजक कोल इंडिया लिमिटेड ने बताया कि अंतिम दिन सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले होंगे। पहला मैच सुबह 11:30 बजे और दूसरा दोपहर एक बजे होगा। सेमीफाइनल मैच सुबह 11 बजे और फाइनल मैच दोपहर 12 बजे खेला जाएगा। उल्लेखनीय है कि सेल और नाल्को सोमवार को सुबह 9.30 बजे पूल ए में उद्घाटन मैच में आमने-सामने होंगे। पूल बी में दूसरा मैच एफसीआई-सीआईएल के बीच होगा।

20 साल बाद फिर 'आई लव यू' का प्लेकार्ड पकड़े पहुंची प्रशंसक को देखकर हैरान हुए जहीर खान

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान के संन्यास लिए हुए काफी समय हो गया पर अभी भी उनके प्रशंसकों की तादाद काफी अधिक है। जहीर आईपीएल 2025 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कोच बनाये गये है। इसी कारण वह लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कैंप पहुंचे थे। जहीर जब होटल पहुंचे तो प्रशंसकों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उनके कई प्रशंसक भी साथ में नजर आये। इन्हीं में एक ऐसी भी प्रशंसक थी जो आई लव यू लिखा हुआ एक प्लेकार्ड पकड़े हुए थी। जब जहीर को बताया गया कि ये वहीं लड़की थी जोकि 20 साल पहले भारत और पाकिस्तान टेस्ट के दौरान इसी तरह का प्लेकार्ड पकड़े हुए थी तो वह हैरत में पड़ गये। स्वागत वीडियो में, जहीर प्लेकार्ड को देखकर बेहद खुश नजर आये। जहीर को गौतम गंभीर की जगह पर सुपर जायंट्स के कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। वह युवा गेंदबाजी लाइनअप के साथ मिलकर काम करेंगे और उन्हें उनकी कमियों को दूर करने की सलाह देंगे। जहीर ने कहा कि लखनऊ आईपीएल में अपेक्षाकृत नई फ्रेंचाइजी है पर इसकी नींव मजबूत है। उन्होंने साथ ही कहा कि इस टीम ने काफी प्रगति की है। प्लेऑफ में पहुंचने की निरंतरता से ये साबित होता है। इससे मेरा भी मनोबल टीम को लेकर बढ़ा हुआ है। अब मैं फ्रेंचाइजी की सफलता में योगदान देने तैयार हूं। इस सत्र में टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कर रहे हैं।

महिला प्रीमियर लीग 2025 का फाइनल

मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 रन से हराकर जीता खिताब

मुंबई

मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए दिल्ली कैपिटल्स को 08 रनों से हराकर दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मैच में दर्शकों को कांटे की टक्कर देखने को मिली, लेकिन अंत में मुंबई की टीम ने बाजी मार ली।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही। शुरुआती झटकों के बाद हरमनप्रीत कौर और नेट साइवर ब्रंट की जोड़ी ने टीम को मुश्किल से उबारा। हरमनप्रीत ने 66 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि साइवर ब्रंट ने 30 रन बनाए। इस साझेदारी की बदौलत मुंबई की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 149 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही। 149 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत भी खराब रही। हालांकि, मैरिजेन कैप (40 रन) और जेमिमा रोड्रिग्ज (30 रन) ने दिल्ली की पारी को संभालने की कोशिश की। मैच के अंतिम ओवरों में दिल्ली के बल्लेबाजों ने जीत के लिए संघर्ष जारी रखा, लेकिन मुंबई की सधी हुई गेंदबाजी के चलते लक्ष्य से 8 रन पीछे रह गई।

यह लगातार तीसरा मौका था जब दिल्ली कैपिटल्स डब्ल्यूपीएल के फाइनल में पहुंचकर ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही। 2023 में मुंबई इंडियंस, 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और अब 2025 में फिर से मुंबई इंडियंस ने दिल्ली का सपना तोड़ दिया।

मुंबई इंडियंस अब डब्ल्यूपीएल की पहली टीम बन गई है जिसने दो बार खिताब जीता है। इससे पहले, उन्होंने 2023 में पहला सीजन जीता था, जब उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हराया था। इस बार भी उन्होंने दिल्ली को 8 रनों से हराकर अपनी बादशाहत कायम रखी।

डब्लयूपीएल में जीत के साथ ही मुम्बई इंडियंस के नाम हुए सबसे अधिक खिताब

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) के खिताबी मुकाबले मे दिल्ली कैपटल्स को हराकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। अब मुम्बई इंडियंस टी20 क्रिकेट की सबसे सफल टीम बन गयी है। पुरुष और महिला वर्ग को मिलाकर उसने अलग-अलग लीग में देखें तो अब तक कुल 12 खिताब जीते हैं। उसने साल 2008 में आईपीएल में जीत के साथ ही अपना अभियान शुरु किया था। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उसने 2013, 2015, 2017, 2019, 2020 के साथ ही कुल पांच खिताब जीते हैं। उसने साल 2019 और 2020 में लगातार खिताब जीते हैं। अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग में भी मुंबई इंडियंस ने दो बार खिताब जीता है। साल 2011 में हरभजन सिंह और 2013 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं महिला प्रीमियर लीग में उसेन 2023, 2025 में जीत के साथ ही दो खिताब अपने नाम किये हैं। मुंबई इंडियंस ने 2023 में शुरू हुई डब्ल्यूपीएल के पहले संस्करण में खिताब जीता था। तब टीम को हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में जीत मिली थी। वहीं अमेरिका में शुरू हुई मेजर क्रिकेट लीग (एमएलसी) में उसे 2023 में एक बार जीत मिली है। इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात में अंतर्राष्ट्रीय लीग टी20 (आईएलटी20) में टीम को साल 2024 में जीत मिली थी। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका में हुए एसए 2025 में मुंबई इंडियंस की सहयोगी टीम, एमआई केप टाउन ने खिताब जीता था।

ओलंपिक के लिए संन्यास छोड़कर वापसी कर सकते हैं विराट कोहली

नई दिल्ली

भारतीय किकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि अगर भारतीय टीम ओलंपिक के फाइनल में पहुंचती है तो वह एक मैच के लिए संन्यास से निकलकर वापसी को तैयार हैं। विराट ने 2024 टी20 विश्वकप में जीत के बाद टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था। अब जबकि 2028 ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किये जाने की संभावना है तो विराट के मन ओलंपिक खितबा जीतने की इच्छा जोर पकड़ने लगी है। वह जानते हैं कि ये अवसर निकल गया तो उनके पास ओलंपिक स्वर्ण जीतने का अवसर नहीं होगा। क्रिकेट की 128 साल बाद ओलंपिक में वापसी हो रही है और इसमें भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमें स्वर्ण से कम कुछ नहीं चाहती हैं। विराट वैसे तो इस इवेंट का हिस्सा नहीं होंगे पर ओलंपिक स्वर्ण पदक के लिए मैच में वापसी कर सकते हैं।

विराट ने कहा, 'अगर भारत 2028 ओलंपिक के फाइनल में पहुंचता है, तो मैं उस एक मैच के लिए संन्यास से बाहर आने पर विचार कर सकता हूं क्योंकि ओलंपिक पदक जीतना सुखद अनुभव होगा।' वहीं नियमों के अनुसार विराट को टी20 20 क्रिकेट में वापसी का अधिकार है पर वह केवल एक मैच के लिए नहीं। ऐसे अगर वह खेलना चाहते हैं तो उन्हें सभी मैचों के लिए उपलब्ध रहना होगा। वह अभी भी टेस्ट और एकदिवसीय खेल रहे हैं और उनकी फिटनेस भी अच्छी है।

खेल पर ध्यान देने सोशल मीडिया से दूरी बन रहे विराट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह सोशल मीडिया से अब दूरी रखकर अपने खेल पर ही ध्यान देना चाहते हैं। विराट केलंबे समय से सोशल मीडिया पर सक्रिय नहीं होन से प्रशंसक कई तरह की अटकलें लगा रहे थे। उनका अंदाज था कि विराट बीसीसीआई से एक विवाद के चलते सोशल मीडिया पर अब कुछ पोस्ट नहीं करते। वहीं इसी को लेकर अब विराट ने कहा कि उनके पास सोशल मीडिया पर समय बिताने की ऊर्जा नहीं है। इसी कारण चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद भी उन्होंने कोई पोस्ट नहीं डाली थी। इसकी जगह, फाइनल के एक दिन बाद उनके हैंडल पर एक स्पॉन्सर्ड पोस्ट दिखाई दी। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के इनोवेशन लैब इंडियन स्पोर्ट्स समिट में कोहली ने सोशल मीडिया से अपनी अनुपस्थिति का कारण बताया। उन्होंने कहा, चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बारे में पोस्ट करने से मेरे दिल की खुशी नहीं बढ़ेगी। सबको पता है कि हमने ट्रॉफी जीती है, इसलिए मेरे पोस्ट करने से हमें दो ट्रॉफी नहीं मिल जाएंगी। वास्तविकता वही रहेगी। मैं इसे ऐसे ही देखता हूं। लोग कमेंट्स में ओह, तुम कमाल हो कहें, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। कोहली ने आगे कहा कि बिना किसी लक्ष्य के तकनीक काफी विचलित करने वाली हो सकती है। उन्होंने अपने खेल करियर में ऐसा अनुभव किया है। पूर्व भारतीय कप्तान ने साथ ही कहा, सौभाग्य से, मैं ऐसे समय में पला-बढ़ा हूं जब आपके पास स्मार्टफोन नहीं होता था। इसलिए इसे किनारे रखना बहुत आसान है।

न्यूजीलैंड ने पाक को पहले टी20 में 9 विकेट से हराया, 10 ओवर में ही हासिल किया लक्ष्य

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड दौरे में पाकिस्तान को पहले ही टी20 मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है। मेजबान टीम ने इस मैच को केवल दस ओवर और एक गेंद में ही जीत लिया। इस प्रकार कीवी टीम को पांच मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त मिल गयी है। इस मैच में टॉस जीतकर मेजबान टीम ने पाकिस्तान को केवल 91 रन रनों पर ही आउट कर दिया। पाक टीम मेजबान जेकब डफी और काइले जेमिसन की घातक गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पायी और उसे 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। मैच में पाक टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। उसने 1 रन पर ही तीन विकेट खो दिये। मोहम्मद हारिस पहले ओवर जैमिसन का शिकार बने। इसके बाद डफी ने हसन नवाज को शून्य पर कैच करा दिया। इरफान खान को जैमिसन ने सिर्फ 1 रन बनाकर आउट कर दिया। टीम बड़ी मुश्किल से 18.4 ओवर में 91 रन बना पायी। खुशदिल शाह ने सबसे अधिक 32 रन बनाये। कप्तान सलमान आगा 18 जबकि जहानदाद खान ने 17 रन बनाए। इन तीन बल्लेबाज के अलावा कोई भी पाक बल्लेबाज कीवी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाया। डफी ने 14 रन लेकर 4 विकेट जबकि जेमिसन ने 4 ओवर में 8 रन देकर 3 विकेट लिए। ईश सोढी ने दो विकेट लिए।

इस बार आईपीएल-2025 में बदले नजर आएंगे कई टीमों के कप्तान

मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार कई टीमों ने कप्तान बदले हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स की कमान ऋतुराज गायकवाड़ के हाथ में सौंपी गई है। चेन्नई ने पिछले सीजन में ही ऋतुराज को कप्तानी सौंपी थी। जब सभी टीमों के कप्तान फोटो सेशन के लिए आए तब जाकर इसके बारे में पता चला था। वहीं लखनऊ सुपरजायंट्स ने इस सीजन में अपना कप्तान बदला है। लखनऊ ने ऋषभ पंत को टीम कप्तान बनाया है। पंत को एलएसजी की टीम ने 27 करोड़ रुपए की भारी-भरकम रकम चुकाकर अपने साथ किया है।

चेन्नई ने ऋतुराज तो लखनऊ ने ऋषभ पंत को सौंपी है कमान

मुंबई इंडियंस ने पिछले साल ही रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान दिया था। हालांकि पिछले सीजन में हार्दिक की खूब आलोचना हुई थी। इसके बाद हार्दिक ने टी20 वर्ल्डकप और चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अच्छे खेल से प्रशंसकों का दिल जीता है। उन्हें इस सीजन में समर्थन की उम्मीद है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल में काफी संघर्ष किया है। हालांकि पिछले सीजन में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को कमान सौंपी थी। इसके बाद कमिंस एसआरएच को फाइनल तक ले गए थे।

वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी नेतृत्व परिवर्तन किया है। पिछले साल केकेआर को चैंपियन बनाने वाले श्रेयस अय्यर को रिटेन नहीं किया। अब इस साल उन्होंने अजिंक्या रहाणे को कप्तान बनाया है। उम्मीद है रहाणे के अनुभव का फायदा केकेआर को मिलेगा।

पिछले साल जब हार्दिक पांड्या गुजरात का साथ छोड़कर गए थे तो टीम ने उनकी जगह गिल को कप्तान बनाया था। हालांकि गिल के लिए बतौर कप्तान पहला सीजन यादगार नहीं रहा, लेकिन इस साल टीम इंडिया में अच्छे प्रदर्शन के बाद वह अपनी फ्रेंचाइजी के लिए इसे दोहराना चाहेंगे। पंजाब किंग्स ने भी अपना कप्तान बदल दिया है। अभी तक टीम की कप्तानी शिखर धवन कर रहे थे। इस साल पंजाब ने श्रेयस को कप्तानी सौंप दी है।

दिल्ली कैपिटल्स का इस सीजन में कप्तान कौन होगा, इसको लेकर काफी ऊहापोह की स्थिति थी। वजह, उनके खेमे में लखनऊ के कप्तान रहे केएल राहुल भी थे और आरसीबी की कमान संभालने वाले फाफ डू प्लेसिस भी, लेकिन दिल्ली की बागडोर अक्षर पटेल को मिली है। संजू सैमसन लंबे अरसे से राजस्थान रॉयल्स के कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में टीम का अच्छा प्रदर्शन रहा है। अब उन्हें कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का साथ मिला है। हालांकि टीम से बटलर, चहल और ट्रेंट बोल्ट के जाने की कमी खलेगी, लेकिन सैमसन चाहेंगे कि इस बार वह अपनी टीम से बेस्ट निकालकर दें। फाफ डु प्लेसिस के जाने के बाद आरसीबी के फैन्स चाहते थे कि कप्तानी एक बार फिर विराट कोहली को सौंप दी जाए, लेकिन आरसीबी टीम मैनेजमेंट ने युवा खून के साथ जाने का फैसला किया। ऐसे में रजत पाटीदार को नया कप्तान बनाया है।

सचिन ने 16 मार्च के दिन बनाया था शतकों का महारिकॉर्ड, जिसे तोड़ पाना मुश्किल है

नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट में विश्व के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। उन्होंने अपने क्रिकेट करियर में अनेक रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। उनके कई रिकॉर्ड ऐसे हैं, जिन्हें अब तक कोई नहीं तोड़ सका है। उन्हीं में से एक रिकॉर्ड ऐसा है, जिसे शायद ही कोई बल्लेबाज तोड़ पाए। हम बात कर रहे हैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सौ शतकों के रिकॉर्ड की। महान बल्लेबाज ने यह उपलब्धि आज ही के दिन साल 2012 में हासिल की थी। आज उनके इस रिकॉर्ड को 13 साल हो गए हैं और उनका यह महा रिकॉर्ड अभी भी कायम है।

बांग्लादेश के खिलाफ हासिल की थी उपलब्धि मास्टर ब्लास्टर के नाम से मशहूर सचिन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक पूरे करने की यह उपलब्धि बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप के मैच के दौरान हासिल की थी। यह मैच 16 मार्च, 2012 को मीरपुर में खेला गया था। इस मैच में सचिन ने 147 गेंदों पर 114 रन बनाए थे। इससे मैच में भारतीय टीम पांच विकेट पर 289 रन बनाने में सफल रही थी। हालांकि, भारत यह मैच पांच विकेट से हार गया था।

बीसीसीआई ने किया यादभारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सचिन की इस उपलब्धि को याद किया। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, शतकों का शतक! इस दिन 2012 में महान सचिन ने अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय शतक बनाया था। यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे एकमात्र क्रिकेटर हैं।

कोहली कर रहे पीछासचिन विश्व के एकमात्र बल्लेबाज हैं जिनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर में टेस्ट में 51 और वनडे में 49 शतक लगाए हैं। सचिन के बाद मौजूदा भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। कोहली अब तक अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 82 शतक लगा चुके हैं, लेकिन अभी भी वह सचिन से काफी पीछे हैं। हालांकि, विराट वनडे में शतक लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ चुके हैं। कोहली वनडे में 51 शतक लगा चुके हैं, जबकि सचिन के वनडे में 49 शतक हैं, लेकिन ओवरऑल कोहली अभी सचिन से बहुत पीछे हैं। कोहली के वनडे में 51, टेस्ट में 30 और टी20 में एक शतक है। कोहली टी20 अंतरराष्ट्रीय से रिटायरमेंट ले चुके हैं। वनडे और टेस्ट फार्मेट में खेल रहे हैं। फिलहाल कोहली इस समय 36 साल के हैं। अगर वह आने वाले सालों में भारतीय टीम के लिए लंबा खेलते हैं तो उनके पास यह रिकॉर्ड तोड़ना का मौका है।

नवंबर 2013 में लिया था संन्यासमहान बल्लेबाज सचिन को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए लंबा समय हो चुका है। सचिन ने 16 नवंबर 2013 को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 463 वनडे मैच खेले और 18426 रन बनाए थे। वनडे में उन्होंने 49 शतक और 96 अर्धशतक लगाए। इसके अलावा 200 टेस्ट मैच खेलते हुए सचिन ने 15921 रन बनाए। टेस्ट में अनके बल्ले से 51 शतक और 68 अर्धशतक निकले। सचिन ने एक मात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला, जिसमें उन्होंने 10 रन बनाए।

चेतावनी देगा फेसबुक!

प्रसिद्ध सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक अब आपको विशेष फीचर्स देने जा रही है जिसके अंतर्गत यूजर्स को फेसबुक साइबर हमलों की चेतावनी देगी। फेसबुक के एक अधिकारी के ब्लॉग पोस्ट में कहा गया है कि आज से अगर हमें लगेगा कि आपके एकाउंट को किसी नेशन-स्टेट स्पॉन्सर्ड साइबर अटैक यानि किसी देश की सरकार द्वारा प्रायोजित साइबर हमले से हानि होने वाली है तो हम आपको सूचित करेंगे। हम ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इस तरह के हमले दूसरे हमलों से अधिक खतरनाक हैं। इससे प्रभावित हुए लोगों को हम जरूरी कार्यवाही करने व अपने ऑनलाइन एकाउंट्स को सुरक्षित रखने के लिए प्रेरित करेंगे। आपको बता दें कि इससे पहले गूगल सिक्युरिटी ने भी यूजर्स को स्टेट स्पॉन्सर्ड हैकर्स से बचाव के लिए 2012 में नोटिफाई करना शुरू किया था।

बिना सिम के फोन कॉल!

स्मार्टफोन ऐप टेक्स्ट मी से अब कॉल करने के लिए सिम की जरूरत नहीं होगी। इसके लिए बस आपको यह ऐप डाउनलोड करना है। उसके बाद आप किसी को भी अपना असली नंबर बताएं बिना कॉल अथवा मैसेज कर सकते हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि आप टेक्स्ट मी अकाउंट से अनेक फोन नंबरों को रख सकते हैं व उन्हें डिलीट भी कर सकते हैं। यह ऐप यूजर द्वारा उपयोग किए जाने वाले नंबर को उसके नाम से कॉल रिसीव करने वाले के फोन पर दिखाता है, जोकि यूरोप अथवा अमरीका के कोड के साथ होता। अपने स्मार्टफोन में टेक्स्ट मी ऐप को डाउनलोड करके यदि आप एक मोबाइल नंबर ही यूज करते हैं तो उसका कोई चार्ज नहीं है। कुछ विज्ञापन देखने की शर्त पर इस ऐप से आप कितने ही नंबरों पर कॉल अथवा एसएमएस कर सकते हैं।

आयुर्वेदिक डायट टिप्स से पाचन क्रिया को करें दुरुस्त

अच्छा स्वास्थ्य अच्छे पाचन तंत्र की देन होता है। हम जो भी खाते हैं, उसे सही रूप से शरीर में पहुंचाने का काम हमारा पाचन तंत्र ही करता है। पाचन तंत्र खाने को एनर्जी के रूप में बदल कर शरीर को पोषण और शक्ति प्रदान करता है और हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। पाचन तंत्र में गड़बड़ी होने से हम जो भी खाते हैं, उसे सही से पचा नहीं पाते। इसके कारण शरीर को आवश्यक विटामिन और मिनरल नहीं मिल पाते और शरीर में हानिकारक तत्व बढ़ने लगते हैं। और हमारा इम्यून सिस्टम भी धीरे-धीरे काम करना बंद कर देता है। लेकिन हम कई बार हम स्वाद-स्वाद में बहुत ज्यादा खा लेते हैं। उस समय तो हमें पता नहीं चलता, लेकिन बाद में पछताना पड़ता है। जब हमारा पेट इस खाने को हजम नहीं कर पाता तो हमें अपच, एसिडिटी, कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से गुजरना पड़ता है। पाचन तंत्र अपनी तय की गई समय सीमा के अनुसार चलती है और इस समय सीमा के कारण हमें दिन के अलग-अलग पहर में भूख लगती है। खाने के बाद हमारा पचान तंत्र अपना काम करना आरंभ करता है तथा जैसे ही उनका काम खत्म होता है वह अगली क्रिया प्रारंभ करने के लिए मस्तिष्क को संकेत भेजता है। अगर इस प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न हो जाये तो इससे पाचन क्रिया में बाधा उत्पन्न होने लगती हैं। लेकिन घबराइए नहीं क्योंकि आयुर्वेदिक चिकित्सा से आप अपनी पाचनक्रिया को तीन दिन में फिर से दुरुस्त कर सकते हैं। आयुर्वेदिक डाइट टिप्स हमारे पाचन तंत्र को ठीक करके उसे पहले की तरह कार्यशील बना देती है।

पहला दिन: पाचन तंत्र को ठीक करने के लिए आप पहले दिन अपने दिन की शुरुआत नाश्ते से करें, और सुबह उठने के थोड़ी देर बाद कम से कम दो गिलास पानी लें। और उठने के 1 से 2 घंटे के बाद नाश्ता कर लें। फिर दोपहर में खाना खाए। लेकिन ध्यान रहें कि खाने में चटपटी चीजों को शामिल न करें। और रात का खाना सोने से 2 घंटे पहले खा लेना चाहिए। और रात के खाने के लगभग आधे घंटे के बाद 2 गिलास गुनगुना पानी लें। पहले दिन आपका सुबह का नाश्ता और दोपहर का खाना सामान्य होना चाहिए और रात को जरूरत के हिसाब से खाए, यानी रात का खाना हैवी नहीं होना चाहिए।

दूसरा दिन: दूसरे दिन पाचनक्रिया को फिर से नियमित करने के लिए आपको इसकी गति को धीमा करना होगा। इसलिए दूसरे दिन आप खाना कम और लिक्विट चीजें ज्यादा लें। इसके लिए आप पूरे दिन में 3 से 4 गिलास जूस लें और हल्का खाना जैसे दाल और खिचड़ी ही लें। पानी और नींबू पानी का अधिक सेवन करें, क्योंकि यह पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने में मदद करती है। इस दौरान अपना मन शांत रखें और साथ ही सुबह-शाम वॉकिंग भी करें।

तीसरा दिन: आयुर्वेदिक डाइट टिप्स के अंतिम दिन में आपको अपनी पाचनक्रिया को सामान्य कार्यशीलता पर वापस भेजना होता है। इसलिए उठने के 1-2 घंटे के बाद नाश्ता कर लें क्योंकि उठने के बाद ज्यादा देर खाली पेट रहने से भी पाचन क्रिया को नुकसान होता है। और फिर दोपहर का खाना खाएं। दोपहर के खाने के बाद सीधे रात का खाना खाएं। नाश्ते से लेकर दोपहर के खाने तक व दोपहर के खाने से लेकर डिनर के बीच कुछ ना खाएं। डिनर को सोने से 2 घंटे पहले खा लें। और ध्यान रहें डिनर की मात्रा दोपहर के खाने से कम होनी चाहिए। ऐसा तीन दिन करने से आपकी पाचनक्रिया अपनी सामान्य गति पर पहुंच जाती है। यह क्रिया आपको स्वयं भूख का अहसास कराएगी।

बालों के लिए ग्लिसरीन के फायदे

नारी सौंदर्य पर रची गई शायरी हो या कविता-कहानियां, बिना उसके बालों की खूबसूरती का व्याख्यान किए पूरी नहीं होती। और भला ऐसा हो भी क्यों नहीं, काले, घने व लहराते बाल महिलाओं की खूबसूरती में चार चांद जो लगा देते हैं। मगर बालों को खूबसूरत बनाये रखना आसान काम नहीं। लेकिन, कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें अपना कर आप अपने बालों को खूबसूरत बना सकती हैं। एक ऐसी ही चीज है ग्लिसरीन। जी, वही ग्लिसरीन जो फिल्मी कलाकार आंखों से नकली आंसू निकालने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ग्लिसरीन और बालग्लिसरीन एक प्राकृतिक, गाढ़ा तथा रंगहीन तरल है, जो नमी को आकर्षित करता है। यह अधिकांश सौंदर्य उत्पादों में प्रयोग किया जाता है। ग्लिसरीन का उपयोग स्वस्थ, चमकदार और बालों के स्वस्थ विकास के लिए किया जा सकता है। ग्लिसरीन का सिर पर ठीक प्रकार से प्रयोग करने से बालों को बढ़ने में मदद मिलती है। ग्लिसरीन को बालों की देखभाल के लिये कैसे इस्तेमाल किया जाए इसके लिये निम्न कुछ सुझावों पर गौर फरमाएं -

कर्ली (घुंघराले) बालों के लिए: स्प्रे- भले ही कर्ली बाल देखने में बड़े ही अच्छे लगते हों, लेकिन इसका यह मतलब नहीं होता कि आप इनकी बिल्कुल भी देखरेख न रखें। बल्कि घुंघराले बालों को तो देखभाल की ज्यादा जरूरत होती है। घुंघराले बाल काफी रुखे से नजर आते हैं, इसलिए अगर उन्हें थोड़ा नरम करना है तो उस पर ग्लिसरीन लगाऐं।

बाल धोने के लिए ग्लिसरीन: बाल धोने में ग्लिसरीन का उपयोग करने के लिए, बराबर-बराबर भाग में पानी और ग्लिसरीन का मिश्रण बना कर रख लें। उतना ही मिश्रण बनाए जितने से आपके बाल ठीक तरह से धुल जाएं। अधिक बना कर न रखें। आप सामान्य रूप से कंडीशनिंग और बाल धोने के बाद नम बालों पर इस मिश्रण को लगाएं। उंगलियों की सहायता से इस मिश्रण को सिर की त्वचा पर लगाऐं। कोशिश करें कि खुश्क जगहों पर यह मिश्रण ठीक प्रकार से लग जाए। अब पांच से छह मिनट तक रुकें और फिर हल्के गुनगुने पानी से धो दें। बेहतर नतीजों के लिए इसे हफ्ते में तीन से चार बार इस्तेमाल करें।

डेंड्रफ दूर करने के लिए ग्लिसरीन: बालों की समस्या आजकल आम है, खुश्की से हर दूसरा व्यक्ति परेशान रहता है। इसके लिए आप दो-तीन बातों को ध्यान में रखकर इस समस्या से निदन पा सकती हैं। हेयर ड्रायर का प्रयोग यथासंभव कम कर दें। बालों में डेंड्रफ होने से बाल बेजान हो जाते है, गिरने लगते हैं और सिर में खुजली भी रहती है।

बालों में लगातार डेंड्रफ बने रहने से परेशान लोग कई तरह के एंटी डेंड्रफ शैम्पू का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन शैंपू, तेल आदि से डेंड्रफ तब तक ही दूर रहता है जब तक कि इन उत्पादकों का उपयोग किया जाता है लेकिन इनका उपयोग बंद करने के बाद डेंड्रफ वापस आ जाता है। इससे निजात पाने के लिए ग्लिसरीन और गुलाब जल का एक तीन के अनुपात में मिश्रण बना कर एक शीशी में रख लें। नहाने के बाद रोज थोड़ा हथेली पर लेकर बालों की जड़ों में उंगलियों की मदद से लगाएं। इससे डेंड्रफ चला जाता है।

ग्लिसरीन स्प्रे: यदि आप ग्लिसरीन से बालों को धोना नहीं चाहते हैं तो आप इसका मिश्रण बना कर स्प्रे की तरह भी उपयोग कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए एक चौथाई कप कैमोमाइल चाय, एक चम्मच के शहद, तीन चम्मच ग्लिसरीन, दो चम्मच वनस्पति तेल और रोजमेरी (दौनी) तेल की छः बूंदों को अच्छे से मिलायें और एक स्प्रे बोतल में कर लें। (यदि आप सूरज की रोशनी में निकल रहे हैं और अपने बालों को अधिक चमकदार बनाना चाहती हैं तो इस मिश्रण में दो चम्मच नींबू का रस मिला लें)। हर बार उपयोग से पहले इसे अच्छे से हिला लें। इस ग्लिसरीन के स्प्रे को नहाने के बाद अपने बालों पर छिड़कें। यह स्प्रे दो हफ्तों तक चलता है।

ग्लीसरिन आफ्टरशेव: ड्राइ स्किन वाले पुरुषों के लिए ग्लिसरीन आफ्टरशेव बहुत फायदेमंद है। इसे बनाने के लिए आधा कप ग्लिसरीन लें उसमें दो चम्मच एलोवेरा जेल व दो चम्मच गुलाब जल मिलाएं। इसे एयरटाइट बोतल में भर लें। और शेव करने के बाद आफ्टर शेव की तरह उपयोग करें।

8 तरीकों से रखें अपनी आंखों को स्वस्थ व चमकदार

आंखें ईश्वर का दिया सबसे अनमोल उपहार है, क्योंकि इसके द्वारा हम दुनिया की हर वह चीज देख सकते हैं, जो हम देखना चाहते हैं। इसलिए आंखों की देखभाल करना हमारा फर्ज है। कभी-कभी हम आंखों के प्रति जरा लापरवाही बरतते हैं, जो इस नाजुक अंग के लिए सही नहीं है।

आंखों की सफाई: नियमित तौर पर आंखों की सफाई करने से आप कई समस्याओं को उनसे दूर रख सकते हैं। इसके लिए दिन में दो से तीन बार आंखों को ठंडे पानी से धो लें, ताकि आंखों की गर्मी और हानिकारक तत्व बाहर निकल जाए।

धूप से बचाव : धूप में निकलने के पहले सन ग्लास लगाकर निकलें तो आंखों के लिए बेहतर रहेगा। तेज धूप में आंखों पर दबाव पड़ता है और आंखें कमजोर हो सकती हैं। यही कारण है कि कुछ लोगों की आंखें तेज धूप में निकलने व दर्द करने लगती हैं।

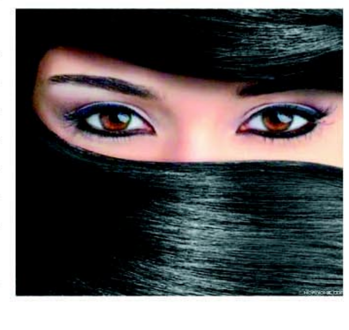

गंदगी से बचाव : धूप ही नहीं धूल और हवा में मौजूद हानिकारक कण आंखों में जाकर, दर्द, जलन पैदा करते हैं और आंखे लाल हो जाती हैं। कार्बन के आंखों में जाने से देखने की क्षमता भी कमजोर होती है, और धुंधला दिखाई देने लगता है।

भरपूर नींद लें: दिनभर आपके साथ-साथ आपकी आंखें भी जागती हैं। ऐसे में उन्हें भी आराम की जरूरत होती है। पर्याप्त मात्रा में नींद लेना, आंखों को आराम देता है। इसके अलावा यह आंखों के आसपास सूजन की समस्या को भी दूर करता है और काले घेरे भी।

टीवी, कंप्यूटर से दूरी : टीवी या कंप्यूटर स्क्रीन से हमेशा पर्याप्त दूरी बनाए रखना, आंखों के लिए बेहतर होगा। इसके अलावा समय-समय पर ऐसे काम से ब्रेक लेते रहें जो आपको दिनभर कंप्यूटर या लैपटॉप पर करना होता है। इनसे निकलने वाली किरणें आपकी आंखों को नुकसान पहुंचा सकती है। अधिक समय तक व अंधेरे में टीवी देखना आंखों पर सीधा प्रभाव डालता है।

मेडिसिन या कॉस्मेटिक : आंखों की थकान व परेशानियों के लिए डॉक्टर से परामर्श कर समय-समय पर आई ड्रॉप डालते रहें। काले घेरे व सूजन से बचने के लिए सोते समय आंखों के आसपास अंडर आई क्रीम या आई जैल लगाएं।

आई मसाज : आंखों को रिलैक्स करने का सबसे बेहतर तरीका है, आंखों के चारों ओर नारियल या बादाम के तेल से मसाज करें। ध्यान रहे कि यह मसाज हल्के हाथों से ही की जाए। इन दो तेलों के अलावा आप विटामिन-ई युक्त तेल भी प्रयोग कर सकते हैं।

मेकअप करें साफ : आंखों के आसपास का मेकअप साफ करना कभी न भूलें। यह त्वचा बहुत कोमल और संवेदनशील होती है। इसलिए इस पर केमिकल युक्त कॉस्मेटिक अधिक समय तक लगा न रहे। इसके अलावा स्क्रब करते वक्त ध्यान रखें कि आंखों के आसपास गलती से भी स्क्रब न करें।

बीमारियों को दूर करते हैं पपीते के बीज

पपीता स्वस्थ गुणों से भरपूर होता है। इसके स्वास्थ्य लाभ से हर कोई परिचित हैं, परन्तु पपीते के बीज के अनूठे स्वास्थ्य लाभ के विषय शायद ही कोई जानता हो बहुत सारे लोग यह नहीं जानते कि पपीते के बीज भी खाने-योग्य होते हैं और इसके अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं । पपीते के बीज को उपयोग में लाने का सबसे बढ़ीया तरीका इन्हें सुखाकर फिर पीस कर, किसी कंटेनर में भविष्य में प्रयोग हेतु रखना है। पपीते के बीज के बहुत प्रकार के लाभ है। पपीते के बीज प्रदाहनाशी एवं ऐंटीबैक्टीरियल होने के कारण पाचन तंत्र, गुर्दा एवं जिगर के स्वास्थ्य हेतु उत्तम माने जाते हैं। यह बात तो हर कोई जानता है कि पपीता हमारी सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है लेकिन यह बात शायद कोई-कोई ही शख्स जानता है कि पपीते केबीज भी हमारे लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। पपीते के बीज को उपयोग में लाने का सबसे बढ़ीया तरीका इन्हें सुखाकर फिर पीस कर, किसी कंटेनर में भविष्य में प्रयोग हेतु रखना है। पपीते के बीज के बहुत प्रकार के लाभ है। पपीते के बीज प्रदाहनाशी एवं ऐंटीबैक्टीरियल होने के कारण पाचन तंत्र, गुर्दा एवं जिगर के स्वास्थ्य हेतु उत्तम माने जाते हैं। इस आर्टिकल को पढने के बाद आप निश्चित रूप से पपीते के बीज को संभाल कर रखेंगे।

पपीते के बीजों का फायदा

लीवर सिरोसिस का उपचार: पपीते के बीज सूत्रण रोग का प्राकृतिक उपचार है। नींबू के रस के साथ पपीते के बीज का लगातार 2 महीने सेवन करने से सूत्रण रोग ठीक हो जाता है।

वायरल इंफैक्शन: पपीते के बीज विषाणुरोधी होने के कारण छोटे-मोटे वायरल इंफैक्शन को आसानी से ठीक कर देते हैं।

. **कैंसर :** इसके बीजों में मौजूद घटक कैंसर और एवं टयूमर जैसी बीमारियों के विकास को रोक देते हैं। पपीते के बीज मलाशय, लयूकेमिया,पौरुष ग्रंथि और कैंसर-उपचार में सक्षम हैं।

किडनी : गुर्दे की बीमारियों के उपचार में भी पपीते के बीज का प्रयोग किया जाता है। यह गुर्दे की कार्यप्रणाली को बाधित होने से रोकने में समर्थ हैं।

गठिया रोग में लाभदायक: पपीते के बीज के प्रदाह्नाशक गुण गठिया एवं जोड़ों के बीमारियों के उपचार के लिए भी अति उत्तम माने जाते हैं।

कॅरियर के लिए अपार संभावनाएं मौजूद

लॉजिस्टिक में छिपे भविष्य के लिए नए अवसर

आज की तारीख में लॉजिस्टिक्स दुनिया भर के सर्वाधिक महत्वपूर्ण कॅरियर विकल्पों में से एक है। भारत में तो यह विशेष रूप से तीव्र विकास कर रहा है। यदि विभिन्न संसाधनों की आपूर्ति तथा वितरण व्यविस्थत ढंग से नहीं होती तो दुनियाभर का सामाजिक एवं आर्थिक ढांचा अस्त-व्यस्त हो सकता है। हर कंपनी लॉजिस्टिक्स का प्रयोग करती है फिर चाहे वहां एक फुल-टाइम लॉजिस्टिक्स मैनेजर की नियुक्ति न भी की गई हो। भारत में लॉजिस्टिक इंडस्ट्री का मूल्य 130 अरब से अधिक आंका गया है। ऐसे में अगर आप में देश-विदेश से जुड़े ग्राहकों से व्यवहार करने का कौशल है, अगर आपका सम्प्रेषण कौशल (कम्युनिकेशन स्किल्स) में अच्छे हैं और आप मेहनत में यकीन करते हैं तो लॉजिस्टिक्स सेक्टर में एक बेहतरीन कॅरियर आपकी ही प्रतीक्षा कर रहा है।

अपॉर्चुनिटीज...

इन दिनों इस फील्ड में अनगिनत संभावनाएं मौजूद हैं। इस तरह रोजगार के लिए युवाओं के पास कई प्रकार के विकल्प खुले रहते हैं। खास बात है कि ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आई तेजी ने लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में संभावनाएं और बढ़ा दी हैं। ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियां प्रोडक्ट बुकिंग तो ऑनलाइन करती हैं, लेकिन उत्पादों की सही पैकिंग से लेकर ग्राहकों तक उसकी सुरक्षित आपूर्ति की सारी जिम्मेदारी लॉजिस्टिक्स का काम करने वालों के कंधों पर ही होती है।

क्वालिफिकेशन...

इस क्षेत्र के लिए अंडरग्रैजुएट और पोस्ट ग्रैजुएट दोनों प्रकार के कोर्स मौजूद हैं। अंडरग्रैजुएट कोर्स 3 वर्षीय और पीजी कोर्स 4 महीने से 2 वर्ष तक होता है। 10वीं कक्षा के बाद भी यह कोर्स किया जा सकता है। ज्यादातर कोर्स दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से किए जाते हैं। लॉजिस्टिक मैनेजमेंट में एमबीए कोर्स 2 वर्ष का फुलटाइम कोर्स है।

वर्किंग एरिया...

एक लॉजिस्टिक्स मैनेजर का काम किसी भी कारोबार या संगठन के कामकाज के लिए आवश्यक सामग्री व कच्चे माल की आपूर्ति के साथ शुरू होता है। विभिन्न सामग्री की आपूर्ति तथा निर्मित होने वाले उत्पादों या सेवाओं को उनकी मांग के अनुसार उनकी मंजिलों तक पहुंचाने यानि उपयुक्त वितरण जैसे कार्यों में तालमेल बैठाना उनका ही काम होता है। उदाहरण के लिए जर्मन कारें, यूरोपीय स्ट्रॉबेरी, अमेरिकन चॉकलेट, दक्षिण अफ्रीकी शराब, फिर दुनिया भर से फैशनेबल चीजें जैसी देश-विदेश की हर चीज आज अपने देश के स्टोर्स में भी सरलता से मिल जाती हैं। इतना ही नहीं, ये सभी चीजें दुनियाभर के दूर-दराज के इलाकों में भी आसानी से मिल जाती हैं तो यह सब लॉजिस्टिक और सप्लाई चेन मैनेजमैंट से ही संभव हो पाता है।

पोटैशियम के कम सेवन से भी हाई ब्लडप्रेशर

उच्च रक्तचाप के लिए ज्यादा नमक ही जिम्मेदार नहीं, बल्कि कम मात्रा में पोटैशियम का सेवन भी आपको इसका मरीज बना सकता है। एक नए शोध में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि आहार में अधिक पोटैशियम ग्रहण करने वाली किशोरियों में बाद में रक्त चाप कम पाया गया।

सोडियम की मात्रा कम करने पर बल देना जरूरी नहीं

बोस्टन विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ मेडिसिन के लीन मूरे ने कहा कि इसके विपरीत, रक्तचाप पर अकेले सोडियम का कोई प्रभाव नहीं दिखाई पड़ा, जिसके कारण वैश्विक स्तर पर बच्चों तथा किशोरों के आहार में सोडियम की मात्रा कम करने की जरूरत पर बल देने की जरूरत नहीं।

...तो नहीं पड़ता प्रतिकूल प्रभाव

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जो किशोरियां प्रतिदिन तीन हजार मिलीग्राम नमक का सेवन करती हैं, उनके रक्तचाप पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता, जबकि जो किशोरियां प्रतिदिन 2,400 मिलीग्राम या उससे अधिक पोटैशियम का सेवन करती हैं, तो बाद में उनका रक्त चाप कम होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) लोगों को दो हजार मिलीग्राम से अधिक सोडियम का सेवन नहीं करने की सलाह देता है। शोधकर्ताओं ने किशोरावस्था के अंत में आहार में सोडियम व पोटैशियम का रक्तचाप पर दीर्घावधि तक प्रभाव का अध्ययन किया।

रेसिपी

मनचाऊ सूप

सामग्री

व्हेजिटेबल स्टॉक के लिए: 1/2 कप कटी हुई पत्तागोभी, 1/2 कप कटा हुआ गाजर, 1/4 कप कटा हुआ अजमोद, 2 टेबल-स्पून कटी हुई हरी प्याज, 3 से 4 फूलगोभी के फूल, 4 कप वेजिटेबल स्टॉक, 2 टेबल-स्पून तेल, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई पत्तागोभी, 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई फूलगोभी, 2 टेबल-स्पून बारीक कटी हुई शिमला मिर्च, 2 टेबल-स्पून बारीक कटे हुए गाजर, 2 टेबल-स्पून बारीक कटे हुए टमाटर, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ पुदिना, 1/2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 टेबल-स्पून कोर्नफ्लॉर , 1/2 कप पानी के घोला हुआ, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक कढ़ाई में 6 कपा पनी उबालें, सभी सब्जीयां डालकर मध्यम आंच पर 15-20 मिनट के लिए उबाल लें। सब्जीयों को बर्तन के नीचे जमने दें और स्टॉक निकाल लें। सब्जीयां निकालकर एक तरफ रख दें। एक वॉक या कढ़ाई में तेज आंच पर तेल गरम करें और धुंआ निकलने दें। लहसुन, अदरक और हरी मिर्च डालकर तेज आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। पत्तागोभी, फूलगोभी, शिमला मिर्च, गाजर डालकर तेज आंच पर 1-2 मिनट तक भुन लें। टमाटर, पुदिना, हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिला लें और तेज आँच पर 1 मिनट तक भुन लें। व्हेजिटेबल स्टॉक डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, तेज आंच पर 2-3 मिनट तक पका लें। नमक, सोया सॉस डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, तेज आंच पर और 2 मिनट तक पका लें। तैयार कोर्नफ्लॉर-पानी का मिश्रण डालकर अच्छी तरह मिला लें और लगातार हिलाते हुए, तेज आँच डर 2-3 मिनट तक पका लें। काली मिर्च पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें। तले हुए नूडल्स् से सजाकर तुरंत परोसें।

मूंग दाल एंड पनीर पराठा

सामग्री

1/2 कप रागी का आटा, 1/2 कप हरी मूंग दाल , भिगोकर पकाई हुई, 1/4 कप चूरा किया हुआ पनीर, 1 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, एक चुटकी हल्दी पाउडर, नमक स्वादअनुसार, रागी का आटा , बेलने के लिए, तेल, पकाने के लिए

विधि

सभी समाग्री को एक गहरे बाउल में मिलाकर, जरुरत हो उतने पानी का प्रयोग कर, हल्का नरम आटा गूंथ लें। आटे को 6 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को, थोड़े सूखे रागी के आटे का प्रयोग कर, 100 मिमी (4) व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और प्रत्येक पराठे को थोड़े तेल का प्रयोग कर, दोनो तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**